हिंदी दैनिक

कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 162 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, रविवार, 29 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

मुख्यमंत्री ने मथुरा में दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के विभिन्न प्रकल्पों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

गौ संरक्षण का सीधा संबंध ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक खेती और किसानों की समृद्धि से है : मुख्यमंत्री

गौ सेवा को आधुनिक शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा एवं प्रशिक्षण से जोड़ने पर दिया जोर

हरिपुर-कालसी को मां यमुना के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने का है प्रयास : मुख्यमंत्री



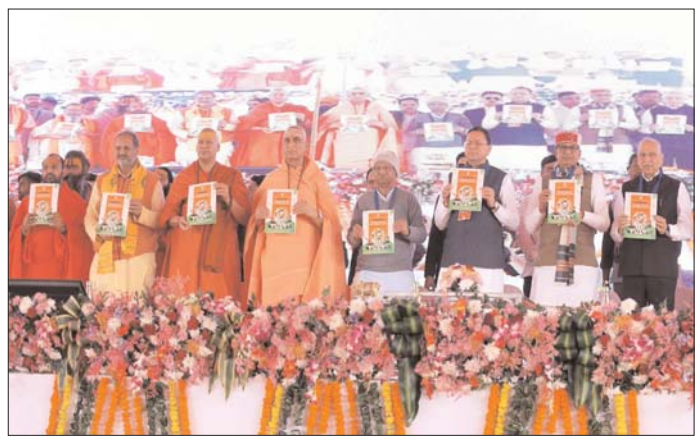

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद के फरह स्थित गऊ-ग्राम, परखम में दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र में दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के विभिन्न प्रकल्पों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर पशु आयुर्वेद एवं पारंपरिक ज्ञान में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का शुभारंभ, आयुर्वेद एवं पंचगव्य अनुसंधान केन्द्र तथा श्री नंदीश्वर छात्रावास का लोकार्पण किया गया। साथ ही आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, पशु चिकित्सा महाविद्यालय तथा आवासीय परिसर का शिलान्यास किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मथुरा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रमुख केंद्र है। भगवान श्रीकृष्ण ने इस पावन भूमि से संपूर्ण मानवता को धर्म, कर्म और कर्तव्य का संदेश दिया। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के अनेक प्रसंग गौमाता के प्रति उनके प्रेम और सम्मान को दर्शाते हैं। गौ संरक्षण केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक खेती और किसानों की समृद्धि से भी है। दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति इस विचार को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समिति द्वारा गौ सेवा को गोवंश संरक्षण तक सीमित न रखकर आधुनिक शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा एवं प्रशिक्षण से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। आज गौ सेवा के क्षेत्र में ऐसी सोच की आवश्यकता है, जिसमें हमारी प्राचीन परंपराएं और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के पूरक बनें। आयुर्वेद के ज्ञान को वैज्ञानिक अनुसंधान का आधार मिले और गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन की नई संभावनाएं विकसित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन प्रकल्पों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है, वे भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किए जा रहे हैं। ये प्रकल्प आने वाले समय में पशु चिकित्सा, अनुसंधान और गौ संरक्षण के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यहां से प्रशिक्षित होने वाले विद्यार्थी और शोधार्थी नए विचारों को आगे बढ़ाने के साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां यमुना की पवित्र धारा देवभूमि उत्तराखण्ड और ब्रजभूमि को जोड़ती है। उत्तराखण्ड के यमुनोत्री धाम से निकलने वाली मां यमुना अनेक क्षेत्रों को जीवन प्रदान करते हुए ब्रजभूमि को सिंचित करती हैं। उत्तराखण्ड के हरिपुर-कालसी का भी ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व रहा है। मान्यता है कि प्राचीन समय में यमुनोत्री धाम जाने वाले श्रद्धालु हरिपुर-कालसी में मां यमुना में स्नान करने के बाद अपनी यात्रा प्रारंभ करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिपुर-कालसी की प्राचीन धार्मिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से वहां मां यमुना के भव्य घाट का निर्माण कराया गया है, जिसका हाल ही में लोकार्पण किया गया है। वहां मां यमुना की भव्य प्रतिमा भी स्थापित की गई है। राज्य सरकार का प्रयास है कि हरिपुर-कालसी को मां यमुना के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने संत समाज एवं श्रद्धालुओं को हरिपुर-कालसी आने और मां यमुना की आरती में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण केवल उनके गौरव का उल्लेख करने से नहीं, बल्कि ठोस कार्यों और प्रयासों से संभव है। नदियों के संरक्षण, गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन तथा अनुसंधान को नई दिशा देने के प्रयास हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति द्वारा किए जा रहे कार्य उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के लिए अनुकरणीय हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सभी को अपना योगदान देना होगा। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों, गौ सेवकों एवं सहयोगियों को विभिन्न प्रकल्पों के लोकार्पण एवं शिलान्यास की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरि महाराज, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री सुरेश सोनी सहित दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चम्पावत में 29 नवंबर तक चलेगा मुख्यमंत्री निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे सेवाएं

सीएमओ डॉ. देवेश चौहान की अपील, अधिक से अधिक लोग उठाएं लाभ

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। जनपदवासियों को बेहतर और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय चम्पावत में 27, 28 और 29 नवंबर 2026 को मुख्यमंत्री निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर जिला चिकित्सालय तथा कनिष्क सर्जिकल एवं सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (केएसएसएच), देहरादून और अपोलो हॉस्पिटल्स के संयुक्त तत्वावधान में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा।



मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने जनपदवासियों से अपील की कि शिविर में बाहर के बड़े अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं, इसलिए अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारियों के उपचार और जांच के लिए आमजन को बड़े शहरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसी उद्देश्य से यह शिविर लगाया गया है।

शिविर में हृदय रोग, किडनी रोग, न्यूरोलॉजी और हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ तथा जनरल फिजिशियन उपलब्ध हैं। मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श के साथ ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, पीएफटी, बीएमडी और ईसीजी की जांच निःशुल्क मिलेगी। साथ ही निःशुल्क दवा वितरण भी किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों से अपने पुराने पर्चे और जांच रिपोर्ट साथ लाने को कहा है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 9410-550-980 या 7217-009-635 पर संपर्क किया जा सकता है।

दीपथून पत्थर पर जलाया गया कार्तिगई दीपम, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर हुआ अमल

चेन्नई। तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीपथून पत्थर के स्तंभ कार्तिगई दीपम जला दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह कदम उठाया गया है। तमिलनाडु के मदुरै में तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर कड़ी सुरक्षा के बीच दीप स्तंभ पर पारंपरिक कार्तिगई दीपम जलाया गया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा द्वारा नियुक्त पूर्व न्यायाधीश, जस्टिस एस वैद्यनाथन और जस्टिस वी पार्थिबन- भी मौजूद रहे। जस्टिस एस. वैद्यनाथन ने कहा कि तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी के शिला स्तंभ पर दीपम प्रज्वलित करने को लेकर उच्चतम न्यायालय के आदेश का कार्यान्वयन किया गया। उन्होंने कहा कि दीप प्रज्वलित करने को लेकर मुस्लिम समुदाय की ओर से कोई प्रतिरोध नहीं किया गया, सद्भाव कायम है।



इस दौरान वहां मौजूद भक्तों ने भगवान मुरुगन की जय का उद्घोष किया। इसके बाद 'वेत्रीवेल मुरुगनुक्कु अरोहरा' के बीच दीपम जलाया गया। कार्तिगई दीपम को जलाने में 30 किलोग्राम घी, 50 मीटर सूती बाती और पांच किलोग्राम कपूर का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान पर भक्तों ने जश्न मनाया और पटाखे फोड़े। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु इकट्ठा हुए।

इससे पहले जिला प्रशासन ने घोषणा की थी कि दीपम जलाने के लिए तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर जाने के लिए केवल 50 श्रद्धालुओं को अनुमति रहेगी। अधिकारियों ने सार्वजनिक सुरक्षा, पहाड़ी की संरचनात्मक स्थिरता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का हवाला देते हुए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे। प्रशासन ने लोगों से जिला अधिकारियों और पुलिस को पूरा सहयोग देने की अपील की थी। वहीं, कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी क्षेत्र का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था।

देश को तानाशाही की ओर धकेल रही भाजपा, ऐसा होने नहीं देंगे: राहुल गांधी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने शनिवार को परिसीमन बिल पर भाजपा पर निशाना साधा और दावा किया कि हमने उन्हें घेर लिया है। भाजपा वोट चोरी को छिपाने के लिए परिसीमन करवा रही है। हम भाजपा को कामयाब नहीं होने देंगे। राहुल गांधी ने एक बार फिर से दोहराया कि 2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था। गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा देश को तानाशाही की ओर धकेल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''हम ऐसा नहीं होने देंगे।''

राहुल गांधी ने आगे कहा, 'कास्ट सेंसस को किनारे कर दिया गया है और 2027 की सेंसस को बेमतलब कर दिया



गया है। क्यों? क्योंकि इसमें कुछ बहुत ही मुश्किल फैक्ट्स सामने आएंगे, जो भाजपा को पसंद नहीं हैं। इसलिए वे 2011 की सेंसस का इस्तेमाल करने जा रहे हैं और 2051 तक सब कुछ फ्रीज कर दिया जाएगा। मतलब 40 साल तक, आप सोशल जस्टिस को भूल सकते हैं। वे SC, ST, OBC के अधिकारों को कमजोर कर रहे हैं, माइनॉरिटीज को कमजोर कर रहे हैं। SC/ST सीटों का हिस्सा 40 साल तक फ्रीज रहेगा। नेता विपक्ष ने आगे कहा कि उनकी आबादी बढ़ने वाली है फिर भी उनकी सीटें नहीं बढ़ेंगी। जाहिर है, वे कास्ट सेंसस का नतीजा नहीं चाहते हैं। हम एक बायपार्टिसन डिलिमिटेशन कमीशन चाहते हैं। महिलाओं का रिजर्वेशन 850 पर, और हम कहते हैं कि OBCs के लिए सब-कोटा के साथ 543 पर। यहां सवाल भाजपा को भारतीय लोकतंत्र की नींव को फिर से बनाने के लिए एक खाली स्लेट देना है। राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात करते हुए कि हमने प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीईसी ज्ञानेश कुमार को घेर लिया है। वे यह नया विचार लेकर आए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि 850 सीटें भाजपा को भारत का चुनावी नक्शा फिर से तैयार करने का मौका देंगी, जिससे एक भी वोट पड़ने से पहले ही उन्हें भारी बढ़त मिल जाएगी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्होंने ईवीएम पर कब्जा कर लिया। वोटिंग प्रोसेस पर कब्जा कर लिया। अब वे पूरे चुनाव क्षेत्र के स्ट्रक्चर को खत्म करना चाहते हैं।

उत्तराखंड में भीषण सड़क हादसा: गहरी खाई में गिरा वाहन, ड्राइवर समेत 9 महिलाओं की मौत

पौड़ी गढ़वाल सड़क दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मुख्यमंत्री ने की घोषणा

घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद पौड़ी गढ़वाल के रिखणीखाल क्षेत्र के कलवाड़ी में हुई सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

कोटद्वार। लैंसडौन विधानसभा के अंतर्गत रिखणीखाल-सतपुली मोटर मार्ग पर कलवाड़ी गांव के पास एक वाहन अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर नीचे खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन चालक समेत 9 महिलाओं की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुई सभी महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थी और बैंक का काम निपटाकर अपने गांव वापस लौट रही थीं। मिली जानकारी के अनुसार रिखणीखाल विकासखंड के ग्राम कोटनाली-भंगलवाण की स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बैंक संबंधी काम से सिद्धखाल गई थीं। काम पूरा करने के बाद सभी उक्त वाहन से अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान



कलवाड़ी गांव के पास वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क से करीब 100 मीटर नीचे खाई में जा गिरा। हादसा इतना गंभीर था कि वाहन में सवार लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। दुर्घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीण सबसे पहले मदद के लिए पहुंचे।

वहीं, सूचना मिलने पर रिखणीखाल, लैंसडौन और कोटद्वार से प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल के लिए रवाना हुए। इसके बाद ग्रामीणों, पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने कहा है कि पौड़ी गढ़वाल के कलवाड़ी, रिखणीखाल में हुए भीषण सड़क हादसे का अत्यंत दुखद समाचार मिला। इस हृदयविदारक दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

'2024 का चुनाव फेक तो राहुल दें इस्तीफा', BJP का पलटवार, बोली- वोट चोरी का नहीं दिया सबूत

नई दिल्ली। परिसीमन बिल पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है. बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी का बयान अराजकता और हताशा से भरा हुआ है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस महिला विरोधी हैं. उन्होंने कहा कि अगर 2024 का चुनाव फेक था तो राहुल गांधी इस्तीफा दें.

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सशक्त बनाने,



लोकसभा और विधानसभाओं में उन्हें मजबूत आवाज देने के लिए आरक्षण की बात कही है. यह बिल उसी दिशा में एक प्रयास है. हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.' उन्होंने कहा, 'आज शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी की टिप्पणियां एक बेहद हताश राजनीतिक नेता की पहचान हैं, जो अपना संतुलन खो चुके हैं और जिनका व्यक्तित्व अब पूरी तरह अराजक हो गया है. मैं यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी अराजक हैं और अराजकता में विश्वास रखते हैं. राहुल गांधी ने आज बहुत कुछ कहा है और हम उसका जवाब देंगे. उन्होंने कहा कि 2024 का चुनाव फर्जी था और मोदी जी फर्जी प्रधानमंत्री हैं. आप भी तो उसी चुनाव को जीतकर आए हैं, है ना? तो फिर आप इस्तीफा क्यों नहीं दे देते?'

रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'राहुल गांधी का दावा है कि 14 करोड़ फर्जी मतदाता हैं, जिनमें 2.8 करोड़ मृत, 6.3 करोड़ दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके, एक करोड़ डुप्लीकेट और तीन करोड़ अनुपस्थित पाए गए लोग शामिल हैं. इससे वे सभी फर्जी कैसे हो जाते हैं? वे जहां भी गए, वहीं उन्होंने वोट डाला होगा. उन्होंने झूठ बोलने में सुपर-डॉक्टरेट हासिल कर ली है. उनका दावा है कि सांसदों की संख्या बढ़ाकर 850 करने से तानाशाही आ जाएगी. कांग्रेस के शासन में तीन बार परिसीमन हुआ. क्या उससे तानाशाही आई? तानाशाही तब आई थी जब इलाहाबाद हाई कोर्ट में केस हारने के बाद उनकी दादी ने इमरजेंसी लगाई थी.

'BJP ने नक्शा बनाकर रख लिया है, सत्ता में बने रहने की साजिश', परिसीमन विधेयक पर अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को संभल में परिसीमन विधेयक को लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी महिला आरक्षण की आड़ में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन कराना चाहती है, ताकि लंबे समय तक सत्ता में बनी रह सके। अखिलेश ने कहा कि



समाजवादी पार्टी समेत देश का कोई भी राजनीतिक दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है, लेकिन सरकार इस मुद्दे के बहाने परिसीमन को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश की आबादी बढ़ चुकी है और अलग-अलग क्षेत्रों में उसका वितरण भी बदल गया है तो परिसीमन के लिए पुरानी जनगणना के आंकड़ों का इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है? सरकार को नए जनगणना आंकड़ों के आधार पर ही यह प्रक्रिया आगे बढ़ानी चाहिए।

295 करोड़ 52 लाख का बजट पारित, फरवरी से दूध खरीद मूल्य में 3 रुपये की बढ़ोतरी

77वें वार्षिक अधिवेशन में मुकेश बोरा ने पशुपालकों को दी बड़ी सौगात, 6.50 लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार बांटे

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लालकुआ के 77वें वार्षिक सामान्य निकाय अधिवेशन में दुग्ध उत्पादकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अध्यक्ष मुकेश बोरा की अध्यक्षता में आयोजित अधिवेशन में 295 करोड़ 52 लाख रुपये का बजट पारित किया गया। वहीं फरवरी माह से दूध खरीद मूल्य में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा कर पशुपालकों को बड़ी सौगात दी गई। इसके साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले दुग्ध



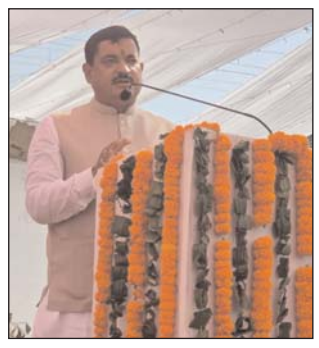

उत्पादकों, सचिवों और दुग्ध विक्रेताओं को 6 लाख 50 हजार 850 रुपये की पुरस्कार राशि चेक के माध्यम से वितरित की गई। शनिवार को हल्द्वानी के पीलीकोठी स्थित संकल्प बैंक्वेट हॉल में आयोजित अधिवेशन का शुभारंभ नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद दिनेश आर्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत, महापौर गजराज सिंह बिष्ट,प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट , राज्यमंत्री रेनू अधिकारी और राज्यमंत्री मोहन पाठक ,पूर्व विधायक नवीन दुमका , प्रदेश महामंत्री दीपेंद्र कोश्यारी , दुग्ध विकास विभाग उत्तराखंड के निबंधक /निदेशक बीएस चलाल , उपनिदेशक संजय उपाध्याय , देहरादून दुग्ध संघ अध्यक्ष ठाकुर भूमि सिंह ,यूसीडीएफ सामान्य प्रबंधक आर एम तिवारी , उप सामान्य प्रबंधक पी एंड आई पी एस नागपाल , प्रबंधक पीएस नगरकोटी सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अधिवेशन में दुग्ध संघ से जुड़ी 710 दुग्ध समितियों के प्रतिनिधियों और करीब 34 हजार दुग्ध उत्पादक परिवारों की भागीदारी रही।

कामरेड राजा बहुगुणा नैसर्गिक क्रांतिकारी थे : राजेन्द्र प्रथोली

राजा बहुगुणा के संस्मरणों पर आधारित पुस्तक– 'अनथक योद्धा' – का विमोचन

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। भाकपा (माले) नेता कॉमरेड राजा बहुगुणा के पहले स्मृति दिवस के मौके पर हल्द्वानी के नगर निगम सभागार में कॉमरेड राजा बहुगुणा के योगदान को याद करते हुए उनके जीवन संघर्ष और राजनीतिक यात्रा पर चर्चा की गई. राजा भाई के नाम से लोकप्रिय कामरेड राजा बहुगुणा के संस्मरणों पर आधारित पुस्तक- 'अनथक योद्धा '- का विमोचन भाकपा माले पोलित ब्यूरो सदस्य संजय शर्मा, किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव पुरुषोत्तम शर्मा, भाकपा माले राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी, जनकवि बल्ली सिंह चीमा, राजेन्द्र प्रथोली, बहादुर सिंह जंगी, आनंद नेगी, के के बोरा, विमला रौथाण, राजा बहुगुणा की पत्नी रेखा, भाई राजीव बहुगुणा, बेटी संयुक्ता, पुस्तक के सम्पादक गिरिजा पाठक और डॉ कैलाश पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया. लंबे दौर तक उनके साथी रहे राजेन्द्र प्रथोली ने कहा कि, राजा भाई का पचास साल का क्रांतिकारी जीवन रहा और वे नैसर्गिक क्रांतिकारी थे, उनके विचार और संघर्ष में कोई भी नकलीपन कोई बनावट नहीं थी. पुरुषोत्तम शर्मा ने



कहा, वे प्रतिबद्ध क्रांतिकारी थे और उन्होंने कई प्रतिबद्ध क्रान्तिकारियों को तैयार करने का काम किया. जनकवि बल्ली सिंह चीमा ने कहा कि, राजा भाई के साथ लंबा साथ रहा और वे मेरे कई गीतों की रचना की भी प्रेरणा बने, खास तौर पर- दाम बांधो काम दो वरना गद्दी छोड़ दो; लफ्फाजो पाखंड नहीं अब जंग चाहिए, संघर्ष करो के अब उत्तराखंड चाहिए; उनकी प्रेरणा से बने गीत हैं. इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि, वन आंदोलन, नशा नहीं रोजगार दो आंदोलन, राज्य आंदोलन, बिंदुखत्ता आंदोलन, महतोष मोड़ आंदोलन समेत अन्य आंदोलनों में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा जिसने कई लोगों को प्रेरित करने का काम किया. आज मोदी सरकार की फासीवादी तानाशाही के खिलाफ आंदोलन खड़ा करना उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का सबसे मुफीद कदम है.

इस अवसर पर भाकपा माले पोलित ब्यूरो सदस्य संजय शर्मा, किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव पुरुषोत्तम शर्मा, भाकपा माले राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी, जनकवि बल्ली सिंह चीमा, राजेन्द्र प्रथोली, बहादुर सिंह जंगी, आनंद नेगी, के के बोरा, विमला रौथाण, रेखा, राजीव बहुगुणा, संयुक्ता और पुस्तक के सम्पादक गिरिजा पाठक, डॉ कैलाश पाण्डेय, एडवोकेट कैलाश जोशी, एडवोकेट दुर्गा सिंह मेहता, एडवोकेट अमनदीप कौर, यतीश पंत, प्रकाश फ़ूलोंरिया, आशुतोष उपाध्याय, जगमोहन रौतेला, भुवन पाठक, दिनेश तिवारी, जोगेंद्र लाल, मोहन सिंह, प्रभात पाल, अजय जोशी, नफीस अहमद खान, भुवन जोशी, ललित मटियाली, कमला कुंजवाल, सुधा, गणेश राम टम्टा, वेद प्रकाश, प्रेम सिंह नयाल, दीवान बर्गली, शोभना, अनीता अन्ना, मीना भट्ट, हेमा आर्य, विमला देवी, शादाब आलम, एकता बहुगुणा, अंबा दत्त बसखेती, ललित जोशी, कमल जोशी, किशन बघरी, राजीव टंडन, सुनीता, पुष्कर सिंह, आकाश भारती, दीक्षा, धीरज, गोविंद जीना, सखावत खान, तरुण जोशी, रूबी भारद्वाज, गोपाल, त्रिलोक सिंह, जगदीश बोरा, उत्तम दास, महेन्द्र पांडे, महेंद्र, निर्मला शाही, मंजू कश्यप, अजय कुमार, के हरि सिंह, प्रोनोबैस, टुम्पा, गुरविंदर, विजय शर्मा आदि शामिल रहे.

एक नजर

74 में से 38 तोकों में पहुंची बिजली, चम्पावत विधानसभा के छूटे गांवों में तेजी से चल रहा काम

20 दिसंबर तक पटेली में काम पूरा करने का लक्ष्य, दिसंबर के अंत तक सभी तोकों का विद्युतीकरण



के.के.पी संवाददाता/चम्पावत। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत चम्पावत विधानसभा क्षेत्र के 74 छूटे तोकों में बिजली पहुंचाने का काम जारी है। 499.68 लाख रुपये की इस परियोजना में अब तक करीब 38 तोकों में आपूर्ति शुरू हो चुकी है। शेष कार्य के लिए 199.872 लाख रुपये जारी करने का अनुमोदन मिला है। यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता गोविंद सिंह कार्की के अनुसार पटेली गांव का काम 20 दिसंबर तक और घोषणा के सभी तोकों का काम दिसंबर के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समयसीमा में घरों तक बिजली पहुंचाने के निर्देश दिए।

उत्तराखंड के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने उत्कृष्ट कार्य के लिए पीएलबी अर्जुन को किया पुरस्कृत।

के.के.पी संवाददाता/चंपावत। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने संविधान दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए पीएलवी अर्जुन सिंह को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। न्यायमूर्ति ने कहा विधिक साक्षरता अभियान के तहत नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरुक कर उन्हें सशक्त करने के साथ उन्हें तमाम कानूनी



जानकारियां देने मैं पीएलबी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। यह वर्ग न्याय एवं न्याय के प्रति जानकारी से अनभिज्ञ लोगों के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

अर्जुन सिंह ने उन्हें सम्मानित करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा यह सम्मान सभी पीएलबी साथियों का है, जो और बेहतर तरीके से अपने दायित्वों व कर्तव्यों का और उत्साह से निर्वहन करेंगे।

विकास भवन क्षेत्र में चला विशेष स्वच्छता अभियान, जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से की स्वच्छता बनाए रखने की अपील

के.के.पी संवाददाता। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे के निर्देशों के क्रम में जनपद में प्रत्येक शनिवार को संचालित किए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान के तहत शनिवार को विकास भवन क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। बाल विकास विभाग के नेतृत्व में आयोजित अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस दौरान क्षेत्र में साफ-सफाई करने के साथ कूड़े का एकत्रीकरण एवं उचित निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

मनोनीत सभासद ज्योति दीप नारायण एवं नयन सिंह खेतवाल ने कहा कि स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक प्रयासों के साथ जनसहभागिता भी बेहद जरूरी है। उन्होंने नगरवासियों से घरों का कूड़ा खुले में अथवा इधर-उधर न फेंकने तथा नगर पालिका के कूड़ा संग्रहण वाहनों या निर्धारित माध्यमों से ही उसका निस्तारण करने की अपील की।

अभियान के दौरान स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश देते हुए नागरिकों से अपील की गई कि वे स्वच्छता को केवल एक दिन के अभियान तक सीमित न रखकर इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग एकत्रित करें तथा निर्धारित कूड़ा संग्रहण वाहनों को ही सौंपें। प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के अनावश्यक उपयोग से बचें और एकल उपयोग प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े अथवा जूट के थैलों को अपनाएं।

साथ ही सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, नालियों, जलस्रोतों एवं रास्तों पर कूड़ा न डालने, खुले में कचरा न जलाने तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए दूसरों को भी प्रेरित करने का संदेश दिया गया। नागरिकों से अपील की गई कि वे स्वच्छता को केवल प्रशासन की जिम्मेदारी न समझें, बल्कि इसे अपनी सामूहिक जिम्मेदारी मानते हुए स्वच्छ एवं सुंदर बागेश्वर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

अभियान में प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी बसु पांडे, षष्ठी कांडपाल, सोनी सहित विभिन्न विभागों एवं नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीआरडी जवानों का कार्य बहिष्कार चौथे दिन भी जारी, सरकारी कार्यालयों में प्रभावित हो रहा कामकाज

होमगार्ड के बराबर वेतन-भत्तों और 365 दिन रोजगार की मांग, जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय के बाहर धरना

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों का कार्य बहिष्कार चौथे दिन भी जारी रहा। जवानों के अनुसार इससे सरकारी कार्यालयों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई कार्यालयों में एकल व्यवस्था होने के कारण सारा कार्य अधिकारियों को करना पड़ रहा है।

पीआरडी हित संगठन के अध्यक्ष भैरव जोशी और रमेश जोशी ने बताया कि पीआरडी जवान दो सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। इनमें होमगार्ड के बराबर वेतन और भत्ते तथा 365 दिन रोजगार की मांग शामिल है। उनका कहना है कि पीआरडी जवान होमगार्ड की तरह ही पूरा कार्य करते आ रहे हैं, लेकिन उन्हें असमानता झेलनी पड़ रही है। उनके अनुसार होमगार्ड के जवानों



को कुल मिलाकर 29,000 रुपये मासिक तक वेतन मिलता है, जबकि पीआरडी जवानों को मात्र साढ़े 650 रुपये प्रतिदिन मिलते हैं, जिससे वे सम्मानजनक ढंग से जीवन-यापन नहीं कर पा रहे हैं।

कार्य बहिष्कार के चलते आज सभी पीआरडी जवानों ने जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय के बाहर दिनभर धरना-प्रदर्शन किया। जवानों का कहना है कि जब तक सरकार उन्हें सम्मानजनक सुविधाएं नहीं देती, तब तक उनका कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

जवानों के अनुसार उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री को अपने विवेक से पीआरडी जवानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिकृत किया है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रदेशभर में चलेगा विशेष अभियान : मुख्यमंत्री धामी

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई, पर्वतीय मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सड़क हादसों की रोकथाम के लिए प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवहन विभाग, पुलिस, जिला प्रशासन एवं सड़क निर्माण से जुड़े विभागों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकना सभी संबंधित विभागों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सड़क



सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निर्धारित गति सीमा से अधिक वाहन चलाने, ओवरलोडिंग, नशे में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने तथा हेलमेट और सीट बेल्ट सहित अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने विशेष रूप से पर्वतीय मार्गों पर वाहनों की फिटनेस, निर्धारित यात्री क्षमता और चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पूर्व में हुई सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का गहन विश्लेषण करने तथा दुर्घटना संभावित स्थलों को चिह्नित कर वहां आवश्यक सुधारात्मक एवं सुरक्षात्मक उपाय करने को कहा। उन्होंने पर्वतीय मार्गों पर जरूरत के अनुसार सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी संबंधित विभागों की जवाबदेही तय की जाए और सड़क सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा हो। सड़क दुर्घटनाओं एवं उनमें होने वाली जनहानि को न्यूनतम करने के लिए ठोस, प्रभावी और परिणामोन्मुखी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पौड़ी के रिखणीखाल में भीषण सड़क हादसा, मुख्यमंत्री धामी ने जताया गहरा दुःख

राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, गंभीर घायलों को एयरलिफ्ट कर उच्च चिकित्सा केंद्रों में पहुंचाने को कहा

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद पौड़ी गढ़वाल के रिखणीखाल क्षेत्र के कलवाड़ी में हुई भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री धामी ने जिला प्रशासन को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव



कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से दुर्घटना में घायल हुए लोगों को समुचित एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को एयरलिफ्ट कर उच्च चिकित्सा केंद्रों में पहुंचाने के निर्देश दिए हैं, ताकि उन्हें समय पर बेहतर उपचार मिल सके। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में घायल सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए जिला प्रशासन को राहत एवं उपचार संबंधी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं।

नवनियुक्त एसपी डॉ. जगदीश चन्द्र ने संभाला बागेश्वर का कार्यभार, बाबा बागनाथ के दर्शन कर किया पुलिस कार्यालय का निरीक्षण

के.के.पी संवाददाता

नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. जगदीश चन्द्र (ढ्ढक्र) ने ग्रहण किया जनपद बागेश्वर का पदभार; बाबा बागनाथ के दर्शन के पश्चात ली गार्द सलामी, पुलिस कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

आज दिनांक 28/11/2026 को नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. जगदीश चन्द्र (ढ्ढक्र) द्वारा विधिवत रूप से पुलिस अधीक्षक, जनपद बागेश्वर का कार्यभार ग्रहण किया गया।

जनपद आगमन पर सर्वप्रथम द्वारा पावन बाबा बागनाथ मंदिर में दर्शन कर जनपद की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की गई। इसके पश्चात पुलिस कार्यालय बागेश्वर पहुँचने पर पुलिस की टुकड़ी द्वारा उन्हें गार्द सलामी दी गई। तदोपरांत द्वारा जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों एवं



कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया गया।

परिचय प्राप्त करने के उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बागेश्वर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान ने आंकिक शाखा, शिकायत सेल, प्रधान लिपिक कार्यालय सहित अन्य सभी शाखाओं की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा तथा कार्यप्रणाली को और अधिक बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

उन्होंने विभिन्न शाखाओं के महत्वपूर्ण रजिस्टरों और अभिलेखों का अवलोकन किया तथा उन्हें अद्यतन व सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि कार्यालय आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को पूरी संवेदनशीलता के साथ सुना जाए और उसका समयबद्ध व त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा सभी पुलिसकर्मियों को पूरी वर्दी व उच्च अनुशासन के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि, 'पुलिस कार्यालय जनपद की कार्यप्रणाली का मुख्य केंद्र है। यहाँ कार्यों में पारदर्शिता, गति और शुद्धता होना अनिवार्य है, ताकि जनता को न्याय मिलने में किसी प्रकार की देरी न हो। '

आपदा प्रबंधन की तैयारियां परखने के लिए चम्पावत में वृहद मॉक अभ्यास, भूकंप, आगजनी और भूस्खलन की काल्पनिक परिस्थितियों में अभ्यास

जिला और तहसील स्तर पर आईआरएस सिस्टम सक्रिय, राहत और बचाव कार्यों का अभ्यास

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के अनुपालन में प्राकृतिक आपदाओं और आकस्मिक दुर्घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने, राहत एवं बचाव कार्यों तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की क्षमता परखने के उद्देश्य से शनिवार को जिला प्रशासन ने जनपद में वृहद मॉक अभ्यास (मॉक ड्रिल) आयोजित किया।

अपर जिलाधिकारी कृष्ण नाथ गोस्वामी की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय सभागार में हुए इस अभ्यास के तहत चम्पावत, लोहाघाट और टनकपुर तहसीलों में अलग-अलग आपदा परिदृश्य तैयार कर राहत, बचाव, चिकित्सा सहायता, संसाधनों की तैनाती और आपातकालीन संचार व्यवस्था का परीक्षण किया गया।

अभ्यास में जिला



चिकित्सालय चम्पावत में आग लगने, जवाहर नवोदय विद्यालय चम्पावत में भूकंप से भवन क्षतिग्रस्त होने, राजकीय इंटर कॉलेज चम्पावत में भूकंप के कारण शॉर्ट सर्किट होने, उप जिला चिकित्सालय लोहाघाट में भूकंप से भवन के हिस्से को क्षति पहुंचने, राजीव गांधी विद्यालय लोहाघाट में आग लगने, राजकीय इंटर कॉलेज लोहाघाट में भूस्खलन होने और टनकपुर के उप जिला चिकित्सालय में आगजनी की काल्पनिक परिस्थितियां बनाई गईं।

जिला चिकित्सालय चम्पावत में आग की काल्पनिक घटना के दौरान पांच लोगों को सुरक्षित निकालने की कार्रवाई दिखाई गई। इनमें तीन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की स्थिति दर्शाई गई और उनके त्वरित उपचार के लिए एयर एंबुलेंस की जरूरत का आकलन किया गया। इस परिदृश्य से घायलों को सुरक्षित निकालने, चिकित्सा सहायता देने और गंभीर घायलों को उच्च चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने की तैयारियां परखी गईं।

'राह वीर अभियान' के तहत चम्पावत जनपद के नामित व्यक्तियों को किया गया सम्मानित

सड़क दुर्घटना में घायलों की तत्काल मदद करने वाले राहवीरों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार वितरित

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के अनुपालन में जिला जज एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत द्वारा संचालित विशेष जागरूकता अभियान 'राह वीर अभियान' के तहत आज 28 नवंबर 2026 (शनिवार) को जिला न्यायालय चम्पावत के सभागार कक्ष में नामित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इसके लिए जनपद के सभी थानों से विवरण प्राप्त किया गया था। जिन व्यक्तियों ने सड़क दुर्घटना में घायलों की तत्काल सहायता कर उन्हें नया जीवन देने में योगदान दिया, ऐसे साहसी नागरिकों को इस कार्यक्रम के तहत सम्मानित किया गया। इस अवसर



पर नामित राहवीरों को उनके सराहनीय और मानवतापूर्ण कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं अन्य पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान अभियान में योगदान की सराहना करते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की समय पर सहायता करना एक महत्वपूर्ण मानवीय और सामाजिक दायित्व है। किसी दुर्घटना के समय घायल को शीघ्र चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने से बहुमूल्य जीवन बचाया जा सकता है। आमजन को अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए समाज के हर व्यक्ति से सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने तथा मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देने की अपील की गई।

जागेश्वर संग्रहालय से प्राचीन मूर्तियां दिल्ली ले जाने की सूचना पर विरोध

के.के.पी संवाददाता

जागेश्वर (अल्मोड़ा)। शनिवार को जागेश्वर धाम के संग्रहालय में प्राचीन मूर्तियों को दिल्ली ले जाने की सूचना पर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। जनप्रतिनिधि, व्यापार मंडल के सदस्य, पुजारी और ग्रामीण संग्रहालय परिसर में जुटे और पुरातत्व विभाग की टीम के सामने विरोध जताया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्हें जानकारी दिए बिना मूर्तियों को दिल्ली ले जाने की तैयारी की जा रही थी। ग्रामीणों और पुजारियों ने कहा कि जागेश्वर मंदिर समूह की दुर्लभ मूर्तियां लंबे समय से संग्रहालय में सुरक्षित हैं और ये क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत तथा धार्मिक आस्था से जुड़ी हैं। उन्होंने पुरातत्व विभाग से लिखित आश्वासन मांगा कि संग्रहालय से कोई मूर्ति बाहर नहीं ले जाई जाएगी। आश्वासन नहीं मिलने पर संग्रहालय के गेट पर धरना



और अनशन शुरू करने की चेतावनी दी गई। मामले को लेकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक, नई दिल्ली को पत्र भी भेजा गया है। पत्र अधीक्षण पुरातत्वविद्, देहरादून मंडल के माध्यम से भेजा गया, जिसकी प्रतिलिपि प्रधानमंत्री कार्यालय, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री और जिलाधिकारी अल्मोड़ा को दी गई है। पत्र पर ग्राम पंचायत फुलई के प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य मुन्नी पाण्डेय, ग्राम पंचायत मन्तोला गूँठ के प्रधान, व्यापार मंडल प्रतिनिधियों और कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष पीतांबर पाण्डे,पूरन बिष्ट,हरीश प्रसाद,पुजारी हेमंत भट्ट,राजेंद्र बिष्ट, प्रधान ग्राम पंचायत फुलाई जागेश्वर ,क्षेत्र पंचायत सदस्य मुन्नी पांडे, ग्राम मंनतोला प्रधान खत्री भट्ट, अध्यक्ष व्यापार मंडल जागेश्वर , हिमांशु भट्ट दयाल भट्ट ,नवीन भट्ट ,गिरीश भट्ट सहित अनेक ग्रामीणों के हस्ताक्षर शामिल हैं। इधर, जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में संग्रहालय की किसी भी मूर्ति के स्थानांतरण की कार्रवाई नहीं की जा रही है। प्रशासन के अनुसार नई दिल्ली स्थित युग-युगीन भारत संग्रहालय में प्रदर्शनी के प्रस्ताव के क्रम में कुछ मूर्तियों की स्थिति के परीक्षण और पूर्व मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी।

जागेश्वर धाम की मूर्तियों को दिल्ली ले जाने के प्रस्ताव का उत्तराखंड लोक वाहिनी ने किया विरोध

अल्मोड़ा। जागेश्वर धाम के संग्रहालय में रखी प्राचीन मूर्तियों को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय ले जाने की सूचना पर क्षेत्र में विरोध के स्वर उठने लगे हैं। उत्तराखंड लोक वाहिनी ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है।

वाहिनी के प्रवक्ता दया कृष्ण काण्डपाल ने कहा कि जागेश्वर धाम केवल ऐतिहासिक स्मारक ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के जागेश्वर संग्रहालय में 9वीं से 14वीं शताब्दी की 60 प्राचीन कलाकृतियां प्रदर्शित हैं।वाहिनी का मानना है कि धरोहर को उसके मूल क्षेत्र में ही संरक्षित किया जाना चाहिए। मूर्तियों को दिल्ली ले जाने के बजाय जागेश्वर में ही सुरक्षा, संरक्षण और प्रदर्शनी की बेहतर व्यवस्था की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को अपनी विरासत का दर्शन यहीं प्राप्त हो सके।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को केंद्रीय पुरातत्व विभाग की टीम के जागेश्वर पहुंचने पर स्थानीय लोगों और पुजारियों ने भी मूर्तियों को बाहर ले जाने पर आपत्ति दर्ज की।

जागेश्वर की मूर्तियां देवभूमि की आत्मा हैं, स्थानांतरण बर्दाश्त नहीं होगा : दिनेश कुंजवाल

अल्मोड़ा- उत्तराखण्ड क्रांति दल के केंद्रीय उपाध्यक्ष दिनेश कुंजवाल ने जागेश्वर मूर्ति संग्रहालय की मूर्तियों को दिल्ली के संग्रहालय में स्थानांतरित करने का पुरजोर विरोध किया है। जागेश्वर पहुंचकर उन्होंने कहा कि यह देवभूमि उत्तराखंड है और इसकी जो मूर्तियां हैं, वे इस देवभूमि की आत्मा हैं। उत्तराखण्ड की आत्मा के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुंजवाल ने कहा कि उत्तराखण्ड क्रान्ति दल इस मामले में सशक्त रूप से करो या मरो की तर्ज पर आंदोलन करेगा और यहां की मूर्तियां जो पहाड़ की धरोहर हैं, उनको यहां से कहीं भी स्थानांतरित करने के किसी भी प्रयास का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा।उन्होंने कहा कि संविधान ने भी हमारी धार्मिक आस्था को मौलिक अधिकारों में रखा है। अगर यहां से मूर्तियां जाती हैं तो हमारी आस्था पर कुठाराघात होगा। संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों से हमें वंचित करने का भी हम पुरजोर तरीके से विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरा जागेश्वर क्षेत्र आज 5वें धाम के रूप में विकसित हो रहा है, तो इसमें सरकार का प्रयास यह होना चाहिए कि यहां के संग्रहालय को भव्य रूप दिया जाए।

जागेश्वर की मूर्तियों को दिल्ली ले जाने का विरोध

अल्मोड़ा- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने जागेश्वर संग्रहालय की मूर्तियों को दिल्ली ले जाने के प्रस्ताव का विरोध दर्ज कराते हुए। कहा गया है कि संग्रहालय में मूर्तियां रहने से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को दर्शन व अवलोकन का अवसर मिलता है, जिससे जागेश्वर की गरिमा बढ़ती है।मूर्तियों को दिल्ली ले जाने के निर्णय पर तत्काल रोक लगाने के लिए जिलाधिकारी से वार्ता किए जाने और बड़े जन आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।

जागेश्वर की मूर्तियों को दिल्ली ले जाने पर विवाद, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने जताई कड़ी आपत्ति

अल्मोड़ा। जागेश्वर धाम में स्थित पुरातत्व संग्रहालय की प्राचीन मूर्तियों को दिल्ली स्थानांतरित किए जाने की खबर से विवाद खड़ा हो गया है। मूर्तियों को संग्रहालय से ले जाने के लिए एक टीम के जागेश्वर पहुंचने के बाद स्थानीय लोगों और पुजारियों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। मामले ने अब राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है।पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने मूर्तियों को दिल्ली भेजने के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए राज्य सरकार से इस प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग की है।

खनश्यूं-गलनी में आयोजित वृहद किसान ऋण मेले में कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने किया प्रतिभाग, किसानों को वितरित किए ब्याजरहित कृषि ऋण के चेक

किसानों की आर्थिक मजबूती एवं कृषि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध – मंत्री कैड़ा

के.के.पी संवाददाता

भीमताल। विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा ब्लॉक के खनश्यूं-गलनी में नैनीताल डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड द्वारा आयोजित वृहद किसान ऋण मेला-2026 कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मंत्री कैड़ा ने क्षेत्र के किसानों को ब्याजरहित कृषि ऋण के चेक वितरित किए तथा किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली।

इस दौरान मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि प्रदेश की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य किसानों को आर्थिक

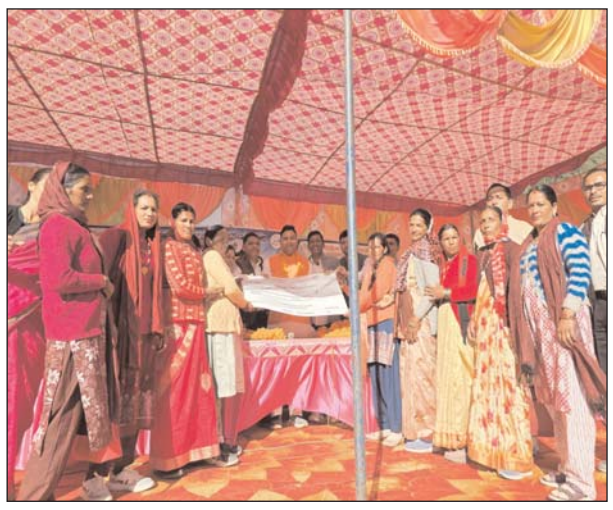

रूप से सशक्त बनाना, कृषि कार्यों को बढ़ावा देना तथा उन्हें आवश्यक सुविधाएं एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। ब्याजरहित कृषि ऋण से किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में काफी मदद मिलेगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मंत्री कैड़ा ने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ गांव के अंतिम छोर पर बैठे किसान तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में नैनीताल डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष श्री रविंद्र सिंह रैकूनी जी, को-ऑपरेटिव बैंक की ओखलकांडा डायरेक्टर श्रीमती दीपा नयाल जी, मंडल अध्यक्ष भीड़ापानी श्री नरेश नयाल जी, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्यगण, कोपरेटिव बैंको से सचिव सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, किसान एवं सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नारी शक्ति को जनप्रतिनिधित्व में सशक्त भागीदारी दिलाने की दिशा में मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम : पूनम पालीवाल

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। नारी शक्ति को देश के शासन और जनप्रतिनिधित्व में समान एवं प्रभावी भागीदारी दिलाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का संकल्प रहा है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 132वें संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दिया जाना देश की महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।भाजपा महिला मोर्चा अल्मोड़ा की जिलाध्यक्ष पूनम पालीवाल ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अब इसे शीघ्र लागू करने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा उठाया गया कदम देश की करोड़ों महिलाओं की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।



उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनेगा, जब महिलाओं की भागीदारी केवल परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण तक ही नहीं, बल्कि नीति निर्माण, कानून निर्माण और शासन संचालन में भी सुनिश्चित होगी। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं का बढ़ता प्रतिनिधित्व देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को नई दिशा देगा तथा महिलाओं के विचारों, अनुभवों और प्राथमिकताओं को निर्णय प्रक्रिया में उचित स्थान मिलेगा।पालीवाल ने कहा कि आज देश की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता साबित कर रही हैं। ऐसे में उन्हें जनप्रतिनिधित्व के क्षेत्र में भी पर्याप्त अवसर और भागीदारी मिलना समय की आवश्यकता है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों की बेटियों के लिए राजनीति और नेतृत्व के नए अवसरों के द्वार खोलेगी।उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पहल का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि नारी शक्ति केवल राष्ट्र की शक्ति ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने वाली सशक्त भागीदार भी है।इस दूरदर्शी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार का समस्त मातृशक्ति की ओर से हार्दिक आभार एवं अभिनंदन।

शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी : अशोक शास्त्री

रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा एम सी एस सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिकोत्सव, बच्चों ने मंच पर दिखाई प्रतिभा

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। मंच पर कहीं भगवान श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन का संदेश गूंजा तो कहीं गढ़वाल और कश्मीर की संस्कृति की झलक दिखाई दी। बंगाली समूह नृत्य से लेकर डांडिया-गरबा और भांगड़ा तक विद्यार्थियों ने ऐसी रंगारंग प्रस्तुतियां दीं कि पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। गीत-संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों से सजा एम सी एस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कनखल का 14वां वार्षिकोत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा, भारतीय संस्कृति और संस्कारों का जीवंत उत्सव बन गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के सचिव डॉ. अशोक शास्त्री, प्रबंधक डॉ. वीणा शास्त्री, निदेशक डॉ. विशाखा कुमार और प्रधानाचार्य नीलम बख्शी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

संस्था के सचिव डॉ. अशोक शास्त्री ने कहा कि शिक्षा केवल





किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को संस्कारवान, संवेदनशील, अनुशासित, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ अपनी संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों से जोड़ना बेहद जरूरी है। केवल अच्छे अंक हासिल करना ही विद्यार्थी की सफलता नहीं है, बल्कि वह कितना अच्छा इंसान बनता है और समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को कितना समझता है, यही शिक्षा की वास्तविक कसौटी है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है। यहां उन्हें किताबी ज्ञान के साथ व्यवहार, अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व और मानवीय मूल्यों की सीख मिलती है। सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ उनमें आत्मविश्वास पैदा करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी प्रतिभा को पहचानकर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ें तथा अपने माता-पिता, गुरुजनों और देश का नाम रोशन करें।

प्रबंधक डॉ. वीणा शास्त्री ने कहा कि प्रत्येक बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष प्रतिभा छिपी होती है। विद्यालय का प्रयास है कि बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराया जाए।

निदेशक डॉ. विशाखा कुमार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। पढ़ाई के साथ खेल, संगीत, कला, नृत्य और सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व को निखारती हैं।

प्रथम आपदा प्रबंधन दिवस पर बागेश्वर में नौ स्थानों पर मॉक ड्रिल, राहत–बचाव तैयारियों को परखा

के.के.पी संवाददाता

सिल्क्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन की स्मृति में आयोजित प्रथम आपदा प्रबंधन दिवस के अवसर पर शनिवार को जनपद बागेश्वर में व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की गई। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में जनपद के नौ स्थानों पर विभिन्न आपदाओं की काल्पनिक परिस्थितियां बनाकर राहत एवं बचाव तैयारियों, संसाधनों की उपलब्धता तथा विभागीय समन्वय को परखा गया। मॉक ड्रिल में भूकंप, अतिवृष्टि, बादल फटना, भूस्खलन, जलभराव, अग्निकांड, आकाशीय बिजली गिरने एवं मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी परिस्थितियों का अभ्यास किया गया।

रामनगर-भतरौंजखान मोटर मार्ग पर डंपर गिरा,चालक की मौत



के.के.पी संवाददाता

भिकियासैण (अल्मोड़ा)। रामनगर-भतरौंजखान मोटर मार्ग पर थाना भतरौजखान क्षेत्र के चरीधार (तल्ला सल्ट) के समीप सामान से भरा डंपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।जिसमें चलाक की मौत हो गयी है।मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात लगभग 11:30 बजे के आसपास डम्पर संख्या यूके 11सीए -2788 रामनगर चमोली गढ़वाल को हार्डवेयर की सामग्री लेकर जा रहा था । जो चरीधार के समीप अनियंत्रित होकर रोड़ से लगभग 200 मीटर खाई में जा गिर गया ।जिसकी सूचना पर थाना भतरौजखान पुलिस टीम , एसडीआरएफ पोस्ट भिकियासैण, फायर सर्विस टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया।रातभर काफी मशक्त के बाद चालक का शव गहरी खाई से बरामद किया गया।जिसकी पहचान 35वर्षीय हीरा सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी नन्द प्रयाग घाट चमोली के रूप में हुयी। एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू उपकरणों की मदद से चालक के शव को खाई से बाहर निकालकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई हेतु पुलिस के सुपुर्द किया ।

जनपद में 14 स्थानों पर आयोजित आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक सम्पन्न, परखी गई राहत एवं बचाव की तैयारियां

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के क्रम में आपदा प्रबंधन दिवस पर जनपद की विभिन्न तहसीलों में हुआ मॉक अभ्यास, विभिन्न विभागों एवं आपदा राहत एजेंसियों ने किया प्रतिभाग।

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के क्रम में आपदा प्रबंधन दिवस के अवसर पर शनिवार को जनपद नैनीताल में 14 विभिन्न स्थानों पर आपदा प्रबंधन संबंधी मॉक ड्रिल आयोजित की गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से भूकंप, अग्निकांड, शॉर्ट सर्किट से आग लगने, सुरंगों में चट्टान टूटने एवं जलभराव, रासायनिक पदार्थों के रिसाव तथा भगदड़ जैसी संभावित आपदा परिस्थितियों का कृत्रिम घटनाक्रम (स्प्द्गठ्ठड्डहृद्धश्) तैयार कर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास



किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान बी.डी. पाण्डे जिला चिकित्सालय नैनीताल में भूकंप के झटकों एवं कंपन, रामदत्त जोशी जिला चिकित्सालय रामनगर में शॉर्ट सर्किट से आग लगने, वॉक-वे मॉल हल्द्वानी में भूकंप के पश्चात अफरा-तफरी एवं अग्निकांड, जमरानी बांध स्थल पर सुरंगों में चट्टान टूटने एवं जलभराव, पेपर मिल लालकुआं में रासायनिक पदार्थों के रिसाव तथा श्री कैंचीधाम मंदिर परिसर में भगदड़ जैसी आपदा परिस्थितियों का अभ्यास किया गया।

इसके अतिरिक्त राजकीय इंटर कॉलेज कालाढूंगी, कसियालेख, गरगड़ी, खैरना, नथुवाखान, भवाली, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज रामनगर तथा एचएन इंटर कॉलेज हल्द्वानी में भूकंप के पश्चात उत्पन्न होने वाली संभावित परिस्थितियों को लेकर मॉक अभ्यास किया गया। संबंधित उपजिलाधिकारियों एवं तहसील स्तरीय इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम (IRS) टीमों के नेतृत्व में सभी निर्धारित स्थलों पर राहत एवं बचाव अभियान संचालित किए गए। मॉक ड्रिल में पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन, राजस्व, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, परिवहन, नगर निकायों सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने प्रतिभाग किया। अभ्यास के दौरान खोज एवं बचाव कार्यों, घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने, प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने, अस्पताल पहुंचाने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों के बीच त्वरित समन्वय एवं प्रभावी प्रतिक्रिया की तैयारियों को परखा गया। मॉक ड्रिल के दौरान संचालित राहत एवं बचाव कार्यों का ऑनलाइन मोबाइल लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से भी निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किया गया।

जनसुनवाई में आयुक्त दीपक रावत सख्त, अनुपस्थित सफाई कर्मियों पर कार्रवाई और निजी अमीनों के खिलाफ जांच के निर्देश

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। आयुक्त/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने शनिवार को जनसुनवाई में नगर निगम में सफाई व्यवस्था, भूमि विवाद, खेती पर जबरन कब्जा करने, मुआवजा दिलाने, इंश्योरेंश की धनराशि ठगी करने,ग्राम बजून में सडक निर्माण के सम्बन्ध में, सेवा निवृत्त कर्मचारी को सेवायोजकों का लाभ दिलाने आदि के सम्बन्ध में समस्यायें आई आयुक्त ने अधिकांश शिकायतों का समाधान मौके पर किया।

अनुपस्थित सफाई कर्मियों पर होगी कार्यवाही , आयुक्त ने दिए जांच के निर्देश

जनसुनवाई में कुछ वार्ड के लोगों द्वारा सफाई व्यवस्था कराने के अनुरोध पर आयुक्त ने नगर आयुक्त को निर्देशित किया है कि सभी वार्डों में तैनात स्वच्छकों



(सफाई कर्मियों) की नियमित उपस्थिति का आंकलन कराया जाए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान जो भी सफाई कर्मचारी अपने निर्धारित वार्ड से अनुपस्थित पाए जाते हैं, उनके विरुद्ध तत्काल प्रभाव से नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा इस हेतु नियमित चैंकिग अभियान चलाया जाए।

प्राइवेट अमीनों द्वारा भूमि पैमाइश पर आयुक्त सख्त, कार्रवाई के दिए निर्देश

निजी अमीनों द्वारा मौके पर जाकर भूमि की पैमाइश किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाने के निर्देश दिए हैं। राधिका देवी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि निजी अमीन द्वारा उनकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा सही ढंग से नहीं किया गया। इस पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए आम जनमानस से अपील की है कि वे अपनी भूमि की पैमाइश केवल सरकारी अमीन से ही कराएं। आयुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई भी प्राइवेट अमीन किसी निजी भूमि का सीमांकन करते हुए स्थल पर पाया जाता है, तो संबंधित अमीन के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दमुवांढूगा निवासी प्रेमा को दोनो पक्षों के समझौते के तहत चार लाख की धनराशि वापस कराने के दिये निर्देश। दमुवांढूगा निवासी प्रेमा देवी ने बताया कि उन्होने दमुवांढूगा क्षेत्र में एक कमरा 4 लाख रूपये में लिया लेकिन भवन स्वामी द्वारा ना ही चार लाख दिये और ना ही भवन दिया।

संपादकीय

सोना सस्ता होने से गोल्ड लोन लेने वालों पर मुसीबत का पहाड़

पिछले 27 दिन में सोने की कीमतों में करीब 13.58 फीसदी की गिरावट आई है। गिरवी रखे सोने और गहनों पर अतिरिक्त रकम जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। भुगतान नहीं करने पर नीलामी का खतरा बढ़ गया है। भारत में सोना केवल आभूषण या निवेश का माध्यम नहीं है, करोड़ों परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का सबसे बड़ा सहारा है। जब परिवार पर अचानक आर्थिक संकट आता है, बच्चों की पढ़ाई की फीस भरनी होती है, इलाज कराना होता है, या पुराने कर्ज की किस्त चुकानी होती है, तब घर में रखा सोना काम आता है। लोग अपनी जरूरत के लिए सोने को गिरवी रखकर जरूरत पूरी करते हैं। अब यही आर्थिक सहारा कई परिवारों के लिए नई परेशानी का कारण बनता जा रहा है। पिछले 26 दिनों में सोने की कीमतों में लगभग 13.58 फीसदी की गिरावट, दूसरी तरफ गोल्ड लोन बढ़कर 8.15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का आंकड़ा वित्तीय व्यवस्था के सामने कई गंभीर सवाल खड़े करता है। सोने की कीमत घटने से बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए गिरवी रखे सोने का मूल्य कम हुआ है। ऐसे में कर्ज देने वाली संस्थाएं ग्राहकों से अतिरिक्त सोना या बकाया राशि जमा करने की मांग कर रही हैं। जिन परिवारों ने अपनी सोने के रूप में रखी पूरी बचत गिरवी रखकर कर्ज लिया है, उनके लिए यह स्थिति बेहद कठिन हो गई है। इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है, गोल्ड लोन का विस्तार केवल निवेश या कारोबार की जरूरतों मे नहीं हो रहा है। बड़ी संख्या में परिवार अपनी रोजमर्रा की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए सोना गिरवी रख रहे हैं। कई लोग पुराने कर्ज की किस्त चुकाने के लिए नया गोल्ड लोन ले रहे हैं। इसके अलावा अस्पतालों का खर्च, बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतें और शादी-विवाह जैसे सामाजिक दायित्व भी इसकी बड़ी वजह हैं। इसका अर्थ यह है, भारतीय परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है। वे अपनी संपत्ति को गिरवी रखकर वर्तमान जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

सीआरआईएफ की नवंबर 2026 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 तक देश में गोल्ड लोन का बकाया पोर्टफोलियो 23.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 60.6 फीसदी अधिक है। सक्रिय गोल्ड लोन खातों की संख्या 10.2 करोड़ हो गई है। जुलाई-सितंबर तिमाही में नए गोल्ड लोन का मूल्य 8.15 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 27.2 फीसदी की वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि इस दौरान लोन खातों की संख्या 4.1 फीसदी घटी है। इसके बावजूद भी औसत लोन की राशि 32.7 फीसदी बढ़कर 2.2 लाख रुपये हो गई। यानी कम खातों के बावजूद लोग पहले की तुलना में बड़ी रकम उधार ले रहे हैं। गोल्ड लोन का विस्तार अब बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रहा। सीआरआईएफ के आंकड़ों के अनुसार, छोटे शहरों और कस्बों में भी गोल्ड लोन की मांग तेजी से बढ़ रही है। महिलाओं के गोल्ड लोन खातों की संख्या बढ़कर 2.4 करोड़ पहुंच गई है। कुल गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में महिलाओं की हिस्सेदारी 42.2 फीसदी पर पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताता है, परिवारों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में महिलाओं के गहने भी बड़ी मात्रा में इस्तेमाल हो रहे हैं। दक्षिण भारत के पांच राज्यों की हिस्सेदारी कुल बकाया गोल्ड लोन में लगभग 72 फीसदी है। दूसरे राज्यों में भी गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सोने की कीमतों में गिरावट का सीधा असर गिरवी रखे सोने के बदले दिए गए कर्ज पर पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने सोने की ऊंची कीमत के समय 1.50 लाख रुपये का लोन लिया था. अब गिरावट के कारण गिरवी रखे सोने का मूल्य कम हो गया है। इससे कर्जदाता के लिए जोखिम बढ़ जाता है। लोन और गिरवी रखे सोने के वर्तमान मूल्य के बीच का अनुपात बढ़ने से ग्राहक को अतिरिक्त भुगतान या अतिरिक्त सोना जमा करने के नोटिस शुरू हो गए हैं। हर बैंक या एनबीएफसी तत्काल अतिरिक्त भुगतान की मांग नहीं कर सकती है। यह लोन की शर्तों, निर्धारित लोन-टू-वैल्यू अनुपात और संबंधित नियमों पर निर्भर करता है। भुगतान नहीं होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्यवाही के पश्चात गिरवी रखे सोने की नीलामी हो सकती है। हालिया बाजार रिपोर्टों में गोल्ड लोन कंपनियों पर बढ़ते दबाव और नीलामी के अंदेशे का में उल्लेख किया गया है। गोल्ड लोन में लगातार बढ़ोतरी के साथ सबसे बड़ा खतरा यह है, जिन परिवारों की बचत धीरे-धीरे कर्ज के बोझ में बदल रही है।

अनुशासन, जवाबदेही, जनसेवा को बनाएं सर्वोच्च प्राथमिकता: यदुवंशी

नवनियुक्त एसएसपी ने कमान संभालते ही दिखाए कड़े तेवर



के.के.पी संवाददाता

नैनीताल। जनपद नैनीताल के नवनियुक्त एसएसपी अर्पण यदुवंशी ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत रात्रि में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों एवं विभिन्न शाखा प्रभारियों के साथ परिचयात्मक एवं समीक्षा गोष्ठी आयोजित की। उन्होंने सर्वप्रथम सभी अधिकारियों से रूबरू होकर उनके कार्यक्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, क्षेत्र की संवेदनशीलता, कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों एवं स्थानीय समस्याओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग में अनुशासन सर्वोपरि है, लेकिन प्रत्येक कार्मिक को अपनी बात रखने का भी पूरा अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थों को विश्वास में लें और उन्हें बताएं कि कोई भी पुलिसकर्मी बिना किसी झिझक के मेरे समक्ष अपनी समस्या या बात रख सकता है। कार्मिकों की समस्याओं का अपने स्तर से हरसंभव समाधान किया जाएगा।

चाइल्ड सैक्रेड स्कूल की छात्राओं ने नेशनल साइंस कांग्रेस में लहराया परचम, राज्य स्तर पर चयनित

पूनम कार्की और सुहाना राजभर ने कृषि भूमि की मिट्टी की गुणवत्ता पर प्रस्तुत किया शोध प्रोजेक्ट

के.के.पी संवाददाता

लालकुआं। चाइल्ड सैक्रेड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लालकुआं की छात्राओं ने 32वीं नेशनल चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस (ह्यूस्ट्स्ट) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर से राज्य स्तर के लिए चयनित होकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। कक्षा नौ की छात्राएं पूनम कार्की (टीम लीडर) और सुहाना राजभर ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।





छात्राओं ने इस वर्ष की मुख्य थीम 'स्थिरता के लिए विज्ञान एवं नवाचार' तथा उप-थीम 'भोजन, कृषि और स्वास्थ्य' के अंतर्गत बिंदुखत्ता के राजीव नगर क्षेत्र में फैक्ट्री के कारण कृषि भूमि की मिट्टी की गुणवत्ता में आ रही गिरावट के आकलन पर शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया।

इस उपलब्धि में गाइड टीचर सुमित पांडे के साथ मेंटर्स तरुण भट्ट, प्रतिभा जोशी, हर्षित सामंत एवं विनय जोशी ने छात्राओं को निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया। छात्राओं की इस सफलता पर विद्यालय के फाउंडर डायरेक्टर बसंत पांडे, प्रधानाचार्या डॉ. प्रीति सिंह, मैनेजमेंट डायरेक्टर सुनीता शर्मा पांडे, कोऑर्डिनेटर शेर सिंह कोरंगा एवं विद्यालय अध्यक्ष बी. भट्ट ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, शोध और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने छात्राओं एवं मार्गदर्शकों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास जताया कि छात्राएं राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी।

सरस मेले में आयुक्त दीपक रावत ने की खरीददारी

मेयर गजराज सिंह बिष्ट बोले सरस मेला कुमाऊं मंडल का जलता दीपक है।

51 किलो फूलों की होली पर झूमे दर्शक

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। सरस आजीविका मेला 2026 के पांचवें दिन शनिवार को आयुक्त, कुमाऊं मंडल दीपक रावत द्वारा मेले में लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के अंतर्गत ऋषेश्वर बाबा स्वयं सहायता समूह, ग्राम पंचायत रायकोट कुंवर, विकास खंड लोहाघाट, चंपावत के स्टॉल पर पहुंचकर तड़का पैन, पहाड़ी चावल आदि उत्पादों की खरीदारी की। आयुक्त कुमाऊं द्वारा खरीदारी करने पर स्टॉल स्वामी अलका राज व आरती ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद अदा किया। इससे समूह की अन्य महिलाओं का भी मनोबल बढ़ा है सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत ने सुप्रसिद्ध कुमाऊनी गीत लाल चुन्नी थल की बाजारा गाना प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने कहा कि यह मेला कुमाऊं मंडल का एक जलता दीपक की तरह है, जो ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, हुनर और आत्मनिर्भरता की रोशनी को चारों ओर फैला रहा है। उन्होंने कहा कि सरस मेला केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि हमारी लोक संस्कृति और परंपरा का जीवंत उत्सव है। कार्यक्रम में कुमाऊं आयुक्त के कहने पर मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने शायरी प्रस्तुत की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सूचना विभाग में पंजीकृत दल आंचल कला केंद्र, हल्द्वानी द्वारा 51 किलो फूलों से फूलों की होली की शानदार प्रस्तुति दी गई। कलाकारों ने 'कान्हा मोहे ऐसो बनायो मोर, नाचूं ता ता थई थई' गीत प्रस्तुत किया जो दर्शकों ने काफ़ी पसंद किया। सुप्रसिद्ध कुमाऊनी गायकर ललित मोहन जोशी द्वारा हल्द्वानी में गाड़ी चली शुरू शुरू, रानीखेत बै भरती हेयु रेजीमेंट कुमाऊं 18 उम्र में मेरू छुट्टी गए मेरा गांव जैसे गीतों की प्रस्तुति पेश की गई।



इस अवसर पर राज्य दर्जा मंत्री नवीन वर्मा, मेयर नगर निगम हल्द्वानी गजराज सिंह बिष्ट, ब्लॉक प्रमुख धारी भावना आर्य, मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे, परियोजना निदेशक शिल्पी पंत, सहायक परियोजना अधिकारी चंद्रा फत्याल, जिला विकास अधिकारी संतोष पंत, वरिष्ठ पूर्ति निरीक्षक राहुल सिंह डांगी सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा-2026 को लेकर नैनीताल पुलिस अलर्ट, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

एसएसपी अर्पण यदुवंशी के निर्देश पर एसपी सिटी हल्द्वानी ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया ब्रीफ, परीक्षा केंद्रों पर चाक-चौबंद रहेगी सुरक्षा व्यवस्था।

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। दिनांक 29 नवम्बर 2026 (रविवार) को उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार द्वारा आयोजित की जाने वाली उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा-2026 को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए नैनीताल पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा तैयारियां की गई हैं।



इसी क्रम में अर्पण यदुवंशी (आईपीएस), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल के निर्देशानुसार हरबन्स सिंह, एसपी सिटी हल्द्वानी की अध्यक्षता में मिनी पुलिस लाइन हल्द्वानी के सभागार में परीक्षा ड्यूटी में नियुक्त समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ब्रीफिंग आयोजित की गई। इस दौरान सभी को उनकी ड्यूटी एवं दायित्वों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

परीक्षा जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 14:00 बजे से 16:00 बजे तक निर्धारित है।

ब्रीफिंग के दौरान दिए गए प्रमुख दिशा-निर्देश निम्नवत हैं

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुरुष एवं महिला पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। परीक्षा प्रारंभ होने पर आउटर कॉर्डन ड्यूटी एवं यातायात व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए।

परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग एवं फ्रिस्किंग DFMD एवं HHMD के माध्यम से की जाए। महिला अभ्यर्थियों की चेकिंग महिला पुलिस कर्मियों द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार की जाए।

मेटल डिटेक्टर से मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, हिडन कैमरा, चिप एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री की सघन चेकिंग की जाए। किसी भी अभ्यर्थी को प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति न दी जाए।

प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाने एवं परीक्षा समाप्ति के बाद उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित जमा कराने के लिए पुलिस स्कॉर्ट एवं वायरलेस संचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू कराई जाए। परीक्षा केंद्रों के आसपास धरना-प्रदर्शन एवं आंदोलन की अनुमति न दी जाए।

परीक्षा केंद्रों के 200 से 300 मीटर के दायरे में वाई-फाई, साइबर कैफे, फोटोकॉपी एवं प्रिंटिंग की दुकानों को परीक्षा के दिन बंद रखने तथा लाउडस्पीकर के प्रयोग पर प्रतिबंध सुनिश्चित कराया जाए।

भारतीय खाद्य संस्कृति पर आघातों से सुप्रीम कोर्ट चिन्तित

ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी आध्यात्मिकता, विविधता और संस्कृति से नहीं, उसकी रसोई से भी होती है। हमारी रसोई में स्वाद के साथ स्वास्थ्य, ऋतु के साथ संतुलन और भोजन के साथ संस्कार जुड़े रहे हैं। दादी-नानी के हाथों का भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं था, वह परिवार की सेहत की पहली पाठशाला था। दाल, बाजरा, ज्वार, रागी, हरी सब्जियां, मौसमी फल, छाछ, अंकुरित अनाज, मसालों का संतुलित उपयोग और घर का ताजा भोजन भारतीय जीवन-पद्धति की ताकत रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में हमारी थाली धीरे-धीरे बदल गई है। स्वाद के नाम पर बाजार ने हमारी रसोई में प्रवेश किया और सुविधा के नाम पर पैकेट ने घर की कड़ाही को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। इसी बदलती खाद्य संस्कृति के बीच सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्देश एक महत्वपूर्ण चेतावनी की तरह सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने खाद्य पैकेटों पर फ्रंट-ऑफ-पैक पोषण लेबलिंग को मजबूत करने का निर्देश देते हुए कहा है कि अधिक शुगर, सैचुरेटेड फैट और नमक वाले उत्पादों पर अलग-अलग स्पष्ट चेतावनी चिह्न हों। न्यायालय ने 'टोटल शुगर' और 'सैचुरेटेड फैट' को प्रमुखता से दिखाने तथा 'हाई शुगर', 'हाई फैट और 'हाई साल्ट' जैसे स्पष्ट संकेत देने की दिशा में कदम उठाने को कहा है। उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है- उपभोक्ता को वह जानकारी सामने मिले, जिसे वह छोटे अक्षरों में खोजते-खोजते अक्सर छोड़ देता है।

यह फैसला केवल लेबल बदलने का फैसला नहीं है, यह उस सोच को बदलने का प्रयास है जिसमें चमकदार पैकेट देखकर भोजन की गुणवत्ता तय कर ली जाती है। आज बाजार में किसी उत्पाद का विज्ञापन उसकी पौष्टिकता से अधिक आकर्षक पैकेजिंग, स्वाद और सुविधा बेचता है। बच्चे रंगीन पैकेट से आकर्षित होते हैं, युवा त्वरित भोजन को जीवनशैली समझने लगे हैं और व्यस्त परिवारों के लिए डिब्बाबंद भोजन समय बचाने का आसान विकल्प बन गया है। समस्या तब पैदा होती है जब सुविधा धीरे-धीरे आदत और आदत बीमारी में बदल जाती है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि भोजन का अर्थ बदल रहा है। भोजन कभी जीवन को पोषण देने की प्रक्रिया था, अब वह तेजी से उपभोग की वस्तु बन रहा है। अधिक नमक, अधिक चीनी और अधिक वसा हमारे स्वाद की इंद्रियों को तो संतुष्ट कर सकते हैं, लेकिन शरीर की जरूरतों को नहीं। स्वाद की जीभ छोटी अवधि की खुशी चाहती है, जबकि शरीर दीर्घकालिक संतुलन मांगता है। बाजार ने हमारी जीभ को जीतने की कोशिश की है, अब हमें अपने विवेक को जीतना होगा।

भारतीय संसद का चार दिवसीय विशेष सत्र बना सियासी महासंग्राम !

एडवोकेट किशन

लोकतंत्र का सबसे बड़ा राजनीतिक पुनर्गठन या 2029 के चुनाव का मास्टरस्ट्रोक? संविधान का अनुच्छेद 368,106वां और प्रस्तावित 131वां संविधान संशोधन,1971 व 2011 बनाम 2027 जनगणना और 543 से 850 लोकसभा सीटों का गणित !दक्षिण भारत की हिस्सेदारी पर सवाल?महिला आरक्षण का मुद्दा और विपक्ष की चुनौती! संसद के विशेष सत्र पर पूरी दुनियाँ की नज़र! - समग्र व्यापक महा-विश्लेषण!

भारत की संसद में ऐतिहासिक राजनीतिक महासंग्राम! संभावित 850 सीटों का प्रस्ताव? महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण, उत्तर-दक्षिण प्रतिनिधित्व की जंग और 2029 का चुनावी समीकरण! एनडीए को चाहिए अतिरिक्त समर्थन, विपक्ष के पास भी है सत्ता का गणित बदलने का हथियार!

क़्या 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले बदल जाएगा भारत का सत्ता-समीकरण? 543 से 850 सीटें? 33 प्रतिशत महिला आरक्षण, परिसीमन का विवाद और एनडीए के 320 सांसदों की दो-तिहाई बहुमत की परीक्षा! विपक्ष की रणनीति से पलट सकता है पूरा खेल!

वैश्विक स्तरपर वर्तमान वैश्विक प्रौद्योगिकी, डिजिटल क्रांति,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आंकड़ा आधारित नीति निर्धारण के दौर में दुनियाँ के लोकतांत्रिक देश अपनी संसदों में कानून बनाते समय नवीनतम जनसंख्या आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों और भविष्य की आवश्यकताओं को आधार बना रहे हैं। अमेरिका की सीनेट और प्रतिनिधि सभा से लेकर ब्रिटेन तथा यूरोप की संसदीय व्यवस्थाओं तक बदलती परिस्थितियों के अनुरूप नीतिगत निर्णय लेने की परंपरा दिखाई देती है। इसी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की संसद का आगामी विशेष सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण राजनीतिक संवैधानिक और लोकतांत्रिक घटनाक्रम बन गया है।केंद्र सरकार ने लोकसभा को सोमवार 30 नवंबर 2026 और राज्यसभा को बुधवार 2 दिसंबर 2026 से पुनःबैठाने का निर्णय लिया है।दोनों सदनों की बैठकें क्रमशः 30 नवंबर और 1 दिसंबर तथा 2 और 3 दिसंबर तक चल सकती हैं।संसदीय कार्यमंत्री ने 26 नवंबर को आवश्यक सरकारी कामकाज का हवाला दिया था,जबकि 27 नवंबर को उन्होंने यह भी कहा कि इस सत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक और राष्ट्रीय महत्व के विषय सामने आ सकते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा क़ि हालांकि शुक्रवार दिनांक 27 नवंबर 2026 तक शाम 6 बजे तक सरकार ने विधायी कार्यसूची में परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण संबंधी प्रस्तावों को औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया है। इसके बावजूद राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में यही दोनों विषय हैं।

साथियों बात अगर हम पहला महत्वपूर्ण पहलू,विशेष सत्र या मानसून सत्र का विस्तार? को समझने की करें तो इस घटनाक्रम की एक संवैधानिक और संसदीय बारीकी समझना जरूरी है।संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त 2026 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ था, लेकिन उसे औपचारिक रूप से सत्रावसान नहीं किया गया था। इसलिए आगामी बैठकें उसी सत्र के दूसरे भाग के रूप में आयोजित होने की बात सामने आई है। इसीलिए इसे राजनीतिक और समाचार विमर्श में विशेष बैठक कहा जा रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से इसे पूरी तरह अलग नया सत्र मानना सही नहीं होगा। सरकार ने सामान्य शीतकालीन सत्र की बजाय यह संक्षिप्त कार्यक्रम क्यों चुना,इसपर विपक्ष सवाल उठा रहाहै।वहीं सत्ता पक्ष आवश्यक सरकारी कामकाज को इसका कारण बता रहा है। सदन की अधिसूचित कार्यसूची और कार्यवाही का कार्यक्रम सटीकता से निर्णायक होगा।

साथियों बात अगर हम दूसरा पहलू,543 से 850 सीटों तक लोकसभा का विस्तार !को समझने की करें तो प्रस्तावित संविधान संशोधन का सबसे बड़ा आकर्षण लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 से बढ़ाकर 850 तक करने की संभावना है।वर्तमान लोकसभा में 543 निर्वाचित सीटें हैं।प्रस्तावित व्यवस्था में सीटों का विस्तार करके राज्यों के प्रतिनिधित्व का पुनर्गठन करने की चर्चा है।तर्क है कि 1952 में जब भारत का पहला आम चुनाव हुआ था,तब मतदाताओं की संख्या लगभग 17 करोड़ थी और लोकसभा में 489 सदस्य थे।आज मतदाताओं की संख्या लगभग 98 करोड़ पहुंच चुकी है,लेकिन निर्वाचित लोकसभा सीटें 543 ही हैं।ऐसे में बढ़ती आबादी और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व आवश्यकताओं को देखते हुए सीटें बढ़ाना समय की मांग बताया जा रहा है।हालांकि 850 सीटों का आंकड़ा प्रस्तावित अधिकतम सीमा है, कोई अंतिम स्वीकृत सीट आवंटन नहीं। प्रत्येक राज्य को कितनी सीटें मिलेंगी, यह विधायी प्रावधानों और परिसीमन प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

साथियों बात अगर हम तीसरा पहलू,1971 की जनगणना बनाम 2027 की जनगणना का सवाल! को समझने की करें तो परिसीमन विधेयक के तहत राज्यों के बीच सीटों के अनुपात को 1971 की जनगणना पर स्थिर रखने(25 वर्षों के लिए और बढ़ाने) और राज्यों के भीतर सीटों के पुनर्गठन के लिए 2011 की जनगणना का उपयोग करने का प्रस्ताव है।इसनिर्णय और 1971 बनाम 2027 की जनगणना के पीछे के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं (अ)1971 की जनगणना को आधार बनाने के प्रमुख कारण,दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का समाधान (संघीय संतुलन):मीडिया रिपोर्टों के अनुसार आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तमिलनाडु,केरल और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया है।यदि नई जनसंख्या के आधार पर राज्यों को सीटें बांटी जातीं, तो उत्तर भारत के तेजी से बढ़ती आबादी वाले राज्यों की सीटें बढ़ जातीं और दक्षिणी राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो जाता। 50 प्रतिशत समान वृद्धि का फॉर्मूला: इस असंतुलन को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों की सीटों में एकसमान 50प्रतिशत वृद्धि करने और 1971 की जनगणना के अनुपात को अगले 25 वर्षों (2051 तक) के लिए फ्रीज (स्थिर) रखने का फॉर्मूला तैयार किया है। इससे लोकसभा की अधिकतम सीटें 550 से बढ़कर 850 (815 राज्यों से और 35 केंद्र शासित प्रदेशों से) करने का रास्ता साफ होगा और किसी भी राज्य की हिस्सेदारी कम नहीं होगी।अप्रैल 2026 की विफलता से सबक:अप्रैल 2026 में जब सरकार ने बिना इस संवैधानिक गारंटी के परिसीमन विधेयक पेश किया था तब विपक्ष के विरोध के कारण यह लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत (298 पक्ष में, 230 विरोध में) हासिल नहीं कर सका था।(ब)2027 की जनगणना का इंतजार क्यों नहीं किया जा रहा? 2029 के चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना: 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (106वां संविधान संशोधन) के तहत लोकसभा और विधान सभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण देने के लिए जनगणना और परिसीमन की शर्त रखी गई थी।समय की बाध्यता: आगामी जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 तय है। यदि इस जनगणना के पूरे होने और उसके आंकड़े प्रकाशित होने के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू की जाती,तो 2029 के आम चुनावों तक महिला आरक्षण लागू करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं हो पाता।2011 की जनगणना का उपयोग: समय बचाने और 2029 तक महिला आरक्षण लागू करने के उद्देश्य से, प्रस्तावित संशोधन के तहत 2027 की जनगणना का इंतजार किए बिना पहले से प्रकाशित 2011 की जनगणना के आधार पर राज्यों के भीतर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम चौथा पहलू,महिला आरक्षण और 2029 का राजनीतिक लक्ष्य! को समझने की करें तो, सितंबर 2023 में संसद ने 106वां संविधान संशोधन अधिनियम अर्थात नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। इसके अंतर्गत लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई यानी 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। लेकिन इसके क्रियान्वयन को संबंधित जनगणना और उसके बाद होने वाली परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ा गया है। सरकार की मंशा इस व्यवस्था को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू करने की बताई जा रही है। अप्रैल 2026 में इसी उद्देश्य से संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 तथा संबंधित विधायी प्रस्ताव सामने आए थे। सरकार का तर्क था कि महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन और लोकसभा की सीटों के पुनर्गठन को एक साथ जोड़ना आवश्यक नहीं है। महिलाओं को मौजूदा सीटों में भी सटीकता से आरक्षण दिया जा सकता है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दे पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिंटेड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉर्टर्स अलनारी में है तो फ्रिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्टर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।





आजकल आपने अक्सर देखा होगा कि ठीक-ठाक पढ़ी-लिखी लड़की शादी के दो या तीन साल के पश्चात ही तलाक लेने के लिए मजबूर हो जाती है क्यों होता है ऐसा, आइए जानते हैं।



रिश्ते संभालें ताकि न आए तलाक की नौबत

आजकल आपने अक्सर देखा होगा कि ठीक-ठाक पढ़ी-लिखी लड़की शादी के दो या तीन साल के पश्चात ही तलाक लेने के लिए मजबूर हो जाती है क्यों होता है ऐसा, आइए जानते हैं। अगर तलाक के इतने नुक्सान हैं तो फिर जहां तक हो सके रिश्तों को संभालने की कोशिश करनी चाहिए। अगर कोई पति मार-पिटाई करता है, शक करता है या साइकिक है तो उसका कोई हल नहीं। उसके लिए आप एन. जी.ओ. की मदद लें या पुलिस की, तलाक लेना जायज है, परन्तु आजकल ज्यादातर तलाक अहं की भावना की वजह से हो रहे हैं।

- शादी होने से पहले लड़का-लड़की को एक-दूसरे से अकेले में मिलने दें। उन्हें एक-दूसरे को समझने का पर्याप्त समय मिलना चाहिए।
- अभिभावकों को अपने बच्चे की कमजोरियां मालूम रहती हैं जैसे गुस्सा चढना, स्वभाव में कोई कमी होना आदि। ऐसे में उन्हें अपने बच्चों से पूछते रहना चाहिए कि तुम्हारी इस बात पर तुम्हारी होने वाली पत्नी या पति ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की।
- रिश्तों को दिमाग से नहीं दिल से जोडने की कोशिश करें। हर लड़का-लड़की कहीं न कहीं एक-दूसरे में अपना प्रेमी या प्रेमिका भी ढूंढ रहे होते हैं।
- अगर आपकी अपने मंगेतर को देखकर दिल की धड़कन नहीं बढ़ती या आपको खुशी नहीं मिलती तो आप इस रिश्ते पर दोबारा विचार करें।
- अक्सर देखा गया है कि लगभग सभी घरों में सास-ससुर आपस में बहुत अच्छी तरह से रिश्ते निभा रहे होते हैं और आप सोचते हो कि मेरा पति इन जैसा क्यों नहीं? पहले वे भी आपके जैसे लड़ते रहे होंगे परन्तु रिश्ता सींचने में उन्हें समय मिल गया। सोचो एक दिन आपका रिश्ता भी ऐसा ही हो जाएगा।
- रिश्तों को समय दो। कुछ सह लो तो कुछ मना लो। इनका आधार प्रेम रखो।
- लड़का-लड़की में परिपक्वता तथा तजुर्बे की कमी होती है क्योंकि आजकल बच्चे ज्यादा समय पढ़ाई को देते हैं, दूसरा संयुक्त परिवार भी कभी देखे नहीं होते इसलिए किसी दूसरे के साथ घर में रहने के तौर-तरीके की समझ भी कम ही होती है। ऐसे में अभिभावकों को इनकी मदद करनी चाहिए।
- समाज की एक दुविधा यह भी है कि लड़की को ही अपने मां-बाप का घर छोड़ कर लड़के के घर जाना पड़ता है। इस बात से दुःखी होने की बजाय आप इसके फायदे ढूंढें।
- अपने रिश्ते तथा घर की हर बात अपने मां-बाप या रिश्तेदारों को बताना सही नहीं। वे नहीं जानते कि आप जो बात कर रहीं हैं, उसमें आपका क्या रोल था।

तलाक के कारण

- पति तथा पत्नी को एक-दूसरे का व्यवहार पसंद न आना।
- दोनों में से किसी एक के घर वालों की दखलअंदाजी तथा उनके ऊपर उनका अत्यधिक प्रभाव।
- दोनों या किसी एक को छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आना।
- ईगो क्लैश होना।
- अच्छे संस्कारों की कमी।
- रिश्तों को दिमाग से तोलना।
- कई बार लड़की या लड़का एक दूसरे का चेहरा या बाहरी दिखावा देख कर आकर्षित हो जाते हैं, परन्तु शादी होते ही एक-दूसरे का वास्तविक व्यवहार सामने आने पर लड़ाई-झगड़े शुरू हो जाते हैं।
- कुछ लड़कियां शादी के बाद तलाक लेना कमाई का जरिया भी बना लेती हैं।
- आजकल के बच्चे प्रेम किसी और से करते हैं परन्तु घर वालों के डर से शादी कहीं और करवा लेते हैं।



तलाक के नुक्सान

- पहली शादी में जो पति या पत्नी बनती है, दूसरी शादी में वैसा ही पति या पत्नी मिले, यह जरूरी नहीं। कोई न कोई समझौता करना ही पड़ता है।
- चूंकि पहला रिश्ता बहुत सोच-समझ कर तथा नाप-तोल कर किया जाता है इसलिए समाज में थोड़ी मान-प्रतिष्ठा बढ़ जाती है। लोग भी बधाई देते समय कहते हैं कि बहुत अच्छा रिश्ता मिला जो दूसरी बार नहीं मिल पाता।



जितना कर सकती हैं उतना ही करें

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं-शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।



कम बजट में उम्दा खरीदारी

सीजन है त्योहारों का। शॉपिंग का बुखार जोर पकड़ रहा है। बाजार में रौनक भी बढ़ने लगी है। फायदेमंद शॉपिंग के लिए जरूरी है कि शॉपिंग की फेहरिस्त तैयार करने से पहले ही उसका बजट तैयार कर लिया जाए। तो आइए जानते हैं स्मार्ट शॉपिंग के नायाब तरीके।

योजना बनाएं

शॉपिंग पर निकलने से पहले सामान की सूची तैयार करें कि आपको किसके लिए, क्या और कितनी चीज खरीदनी है। सूची तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखें कि इन चीजों को प्राथमिकता देते हुए लिखें, ताकि सही समय पर सही चीज खरीदी जा सके। चीजों पर कितना खर्च होगा, उसे जोडें और अब 15-20 फीसदी कम कर दें। सीजन में जहां भी सेल लगी हो उसका ध्यान रखें और अपने बजट व पसंद के मुताबिक खरीदारी भी करें। बाजार की चकाचौंध और सेल के चक्कर में बजट से बाहर न जाएं, इसके लिए अपनी लिस्ट को बार-बार चेक करती रहें।

केडिट कार्ड के बजाय नगद

फेस्टिवल शॉपिंग करने के लिए हमेशा नगद राशि का इस्तेमाल करें। क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग न करें, क्योंकि ज्यादा खरीदारी पर आपको कंपाउंड इंट्रेस्ट देना पडता है। साथ ही अगर किसी कारणवश खरीदे गए सामान को बदलना हो तो आपको नगदी वापस नहीं मिलेगी। सीमित स्टॉक में से ही आपको अपना सामान बदलना होगा।

छूट का खयाल रखें

फेस्टिव सीजन के दौरान कई चीजों पर छूट भी मिलती है। छूट के बारे में पूछते समय संकोच न करें। एक ही जगह कीमत पूछकर खरीदारी न करें। किसी दूसरी शॉप से भी उस चीज का मूल्य जांच लें।

इंटरनेट से मदद लें

जो सामान खरीदना चाहती हैं, उसकी जानकारी इंटरनेट से लें। इंटरनेट पर आपको अलग-अलग ब्रैंड्स के प्रोडक्ट्स की कीमत भी पता चल जाएगी। साथ ही उन पर मिलने वाली छूट के बारे में भी अंदाजा हो जाएगा। इसे तुलनात्मक खरीदारी कहा जाता है। इंटरनेट पर कीमत की पहले से जानकारी लेना आपकी जेब को हलका नहीं होने देगा।

जगह तय करें

शॉपिंग से पहले यह तय करें कि आपको सब सामान कहां से खरीदना है। ऐसी जगह चुनें जहां आपकी सारी जरूरतें पूरी हो जाएं। इससे न सिर्फ समय, बल्कि पैसा भी बर्बाद होने से बचेगा। बेहतर होगा कि आप उन जगहों की सूची बना लें जहां आपकी पसंद का सामान सही दाम में मिलता हो।

पवाणी अग्निकांड प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में जुटा जिला प्रशासन, आवश्यक सामग्री भेजी गई

पवाणी अग्निकांड के बाद राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी, जनजीवन सामान्य बनाने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध





के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। विकासखंड मोरी के पवाणी गांव में 24 नवंबर को हुई अग्निकांड की घटना के बाद प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने और उनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर प्रभावित परिवारों के लिए आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। शनिवार को तहसीलदार मोरी को भेजी गई राहत सामग्री में 100 मैट्रस, 100 दरी, 100 जोड़ी थर्मल (अपर-लोअर) 200 नग, 100 गर्म स्कार्फ, 100 जोड़ी गर्म कुर्ते-पायजामे (200 नग), 100 स्वेटर, 100 जोड़ी अंडरगारमेंट(200 नग) तथा 100 गर्म शॉल भेजी गई हैं। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि राहत सामग्री प्रभावित परिवारों तक शीघ्र पहुंचाकर उसका वितरण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि अग्निकांड से प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राहत एवं सहायता के सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। साथ ही संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों का जनजीवन जल्द से जल्द सामान्य हो इसके लिए प्रतिबद्धता के साथ जुटा हुआ है।

जनपद में 14 स्थानों पर आयोजित आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक सम्पन्न, परखी गई राहत एवं बचाव की तैयारियां

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के क्रम में आपदा प्रबंधन दिवस पर जनपद की विभिन्न तहसीलों में हुआ मॉक अभ्यास, विभिन्न विभागों एवं आपदा राहत एजेंसियों ने किया प्रतिभाग।



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के क्रम में आपदा प्रबंधन दिवस के अवसर पर शनिवार को जनपद नैनीताल में 14 विभिन्न स्थानों पर आपदा प्रबंधन संबंधी मॉक ड्रिल आयोजित की गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से भूकंप, अग्निकांड, शॉर्ट सर्किट से आग लगने, सुरंगों में चट्टान टूटने एवं जलभराव, रासायनिक पदार्थों के रिसाव तथा भगदड़ जैसी संभावित आपदा परिस्थितियों का कृत्रिम घटनाक्रम (Scenario) तैयार कर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान बी.डी. पाण्डे जिला चिकित्सालय नैनीताल में भूकंप के झटकों एवं कंपन, रामदत्त जोशी जिला चिकित्सालय रामनगर में शॉर्ट सर्किट से आग लगने, वॉक-वे मॉल हल्द्वानी में भूकंप के पश्चात अफरा-तफरी एवं अग्निकांड, जमरानी बांध स्थल पर सुरंगों में चट्टान टूटने एवं जलभराव, पेपर मिल लालकुआं में रासायनिक पदार्थों के रिसाव तथा श्री कैंचीधाम मंदिर परिसर में भगदड़ जैसी आपदा परिस्थितियों का अभ्यास किया गया। इसके अतिरिक्त राजकीय इंटर कॉलेज कालाढूंगी, कसियालेख, गरगड़ी, खैरना, नथुवाखान, भवाली, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज रामनगर तथा एचएन इंटर कॉलेज हल्द्वानी में भूकंप के पश्चात उत्पन्न होने वाली संभावित परिस्थितियों को लेकर मॉक अभ्यास किया गया। संबंधित उपजिलाधिकारियों एवं तहसील स्तरीय इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम (IRS) टीमों के नेतृत्व में सभी निर्धारित स्थलों पर राहत एवं बचाव अभियान संचालित किए गए। मॉक ड्रिल में पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन, राजस्व, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, परिवहन, नगर निकायों सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने प्रतिभाग किया। अभ्यास के दौरान खोज एवं बचाव कार्यों, घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने, प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने, अस्पताल पहुंचाने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों के बीच त्वरित समन्वय एवं प्रभावी प्रतिक्रिया की तैयारियों को परखा गया। मॉक ड्रिल के दौरान संचालित राहत एवं बचाव कार्यों का ऑनलाइन मोबाइल लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से भी निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किया गया।

धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण संपन्न होने पर सौम्यकाशी ब्राह्मण सभा ने उत्तरकाशी पुलिस का जताया आभार



के.के.पी संवाददाता/उत्तरकाशी। रामलीला मैदान में आयोजित सात दिवसीय श्री पंचकुण्डीय लक्ष्मीनारायण गौ-गंगा प्रतिष्ठा यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन पर सौम्यकाशी ब्राह्मण सभा ने उत्तरकाशी पुलिस का आभार व्यक्त किया है। सभा की ओर से पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय को आभार पत्र प्रेषित कर आयोजन के दौरान बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। सौम्यकाशी ब्राह्मण सभा, उत्तरकाशी एवं उत्तराखण्ड एसोसिएशन के तत्वावधान में 18 से 24 नवंबर 2026 तक रामलीला मैदान में सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में सकुशल, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। आयोजन की सफलता और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उत्तरकाशी पुलिस की सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुए सभा ने पुलिस अधीक्षक की गरिमामयी उपस्थिति, कुशल मार्गदर्शन और पुलिस बल

हरिद्वार में PCS प्रारंभिक परीक्षा आज, 15 केंद्रों पर दो पालियों में होगा आयोजन

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन रविवार, 29 नवंबर को हरिद्वार तहसील क्षेत्र के नगरीय क्षेत्र से बाहर स्थित 15 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

उप जिला मजिस्ट्रेट हरिद्वार नीतू डागर ने बताया कि परीक्षा का प्रथम सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय सत्र दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। परीक्षा केंद्रों में स्प्रिंग फील्ड स्कूल बहादराबाद, फेरुपुर डिग्री कॉलेज, पुलिस मॉडर्न स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, शिवडेल स्कूल, मां सरस्वती पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जीआईसी, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, जगतगुरु श्रीचंद्र भगवान इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, द ऑक्सफोर्ड स्कूल, विद्यामंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल और हिमालयन मॉडर्न हाई स्कूल बहादराबाद सहित कुल 15 केंद्र शामिल हैं।

उप जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि परीक्षा को नकलविहीन, बाधारहित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। इसके तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में सक्षम प्रशासनिक अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के समूह में एकत्र होने, सार्वजनिक सभा करने और जुलूस निकालने पर प्रतिबंध रहेगा। इस क्षेत्र में धरना-प्रदर्शन और ऐसा कोई भी कार्य प्रतिबंधित होगा, जिससे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका हो।

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निर्धारित मानकों से अधिक ध्वनि प्रदूषण भी प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान किसी भी व्यक्ति को लाठी, चाकू, तलवार, भाला, बंदूक, पिस्टल अथवा तेजाब, पेट्रोल जैसे विस्फोटक या ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलने या अपने पास रखने की अनुमति नहीं होगी।

प्रशासन के आदेश के अनुसार, परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में शांति व्यवस्था के लिए तैनात अधिकारी-कर्मचारियों और पुलिस बल के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र परिसर में पाठ्य सामग्री, मोबाइल फोन और पेजर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पॉड टैक्सी संपूर्ण रूट हो गंगा किनारे सर्वे टीम सरकार को कर रही गुमराह : सुनील सेठी

के.के.पी संवाददाता



हरीद्वार। दोहरा मापदंड व्यापारियों के हित में नहीं उचित कुछ को राहत कुछ को आफ़त नहीं होगी बर्दाश्त। महानगर व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सुनील सेठी ने हरिद्वार के समस्त व्यापारियों को पॉड टैक्सी से समस्या उत्पन्न होने पर व्यापारियों को संपूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि हम किसी योजना के विरोधी नहीं हम प्रस्तावित रूट के विरोध में पहले भी थे क्योंकि इस रूट पर दूधाधारी से लेकर रानीपुर तक भौगोलिक स्थिति सीवर पानी गैस लाइनों सहित कई समस्याओं के कारण इसके पिलर ओर कार्ययोजना से व्यापारियों आम जनता को परेशानी उठानी पड़ेगी साथ ही जुलूस पेशवाई मार्ग में भी बाधा उत्पन्न होगी व्यापारियों का व्यापार प्रभावित होगा इसलिए हमने लिखित माध्यम से पत्राचार से समस्त मेट्रो अधिकारियों को अपनी बात प्रशाशन के सामने रखते हुए पुनः एक बार रखते हुए आज मांग की है कि एक जैसा निर्णय समस्त व्यापारियों के हित में होगा स्वीकार्य अन्यथा योजना अधिकारियों सहित सरकार के सामने गलत रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले मेट्रो परियोजना से जुड़े सर्वे अधिकारी मॉनिटरिंग अधिकारियों का होगा विरोध। क्योंकि मेट्रो परियोजना अधिकारी सरकार को गुमराह कर व्यापारियों से बिना वार्ता सहमति अपनी रिपोर्ट बना रहे है जिसका हरिद्वार के तमाम व्यापार मंडल विरोध कर रहे है ।

शिवालिक नगर के वार्ड-13 में सड़कों का लोकार्पण, पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने क्षेत्रवासियों को समर्पित किए निर्माण कार्य

के.के.पी संवाददाता

शिवालिक नगर। नगर पालिका शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने वार्ड संख्या-13, नवोदय नगर में विभिन्न सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर विधिवत लोकार्पण कर उन्हें क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। इन कार्यों में शिवालिक गंगा विहार की गली संख्या-2 की आंतरिक सड़क, गली संख्या-3 एवं 10 की मुख्य व आंतरिक सड़कें, ज्ञान लोक से जंगल की ओर जाने वाली मुख्य सड़क तथा आदर्श कॉलोनी और श्रीराम कॉलोनी की सड़कें शामिल हैं।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र का सर्वांगीण विकास और प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विकास कार्यों की सार्थकता तभी है, जब उनका सीधा लाभ आम नागरिकों को मिले और उनके दैनिक जीवन में





सकारात्मक बदलाव आए।

उन्होंने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण आधार होती हैं। बेहतर सड़कें आवागमन को सुगम बनाने के साथ-साथ क्षेत्र की सुंदरता और सुविधाओं को भी बढ़ाती हैं। नवोदय नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय निवासियों की आवश्यकताओं और जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण कराया गया है। नगर पालिका का प्रयास है कि कोई भी वार्ड विकास की मुख्यधारा से अछूता न रहे और सभी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर निरंतर किए जाएं।

राजीव शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों का विश्वास, सहयोग और स्नेह उन्हें जनसेवा के कार्यों के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनभावनाओं और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शिवालिक नगर को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित एवं विकसित नगर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य जारी रहेंगे।

सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष का स्वागत और आभार जताया।

कार्यक्रम में सभासद दीपक नौटियाल एवं अवधेश राय, मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, श्वेता सिंह, प्रदीप चंदेल, मुकेश रावत, बागेश्वरी बग्गा, दीपा सिंह, गौरव गुर्जर, वेदांत चौहान, नीरज प्रेमी, जटाशंकर श्रीवास्तव, रणविजय पांडे, नीलम रावत, मनीष चौहान, ममता, नेहा, ज्योति, कुसुम, निर्मला, हेमा, सरिता, रितु, उषा, अलका, अर्चना, गीता, कविता, रोशनी, काजल, आरोही, अंजना, संगीता, किरण, नव्या, हेमचंद्र मलकानी, विजय उपाध्याय, सुरेश चंद जोशी, प्रीति चौहान, विक्रम पुंडीर, अभिषेक, अंकित गुर्जर, राहुल गुर्जर, राहुल शर्मा, अजय पाल, हुकुम चंद कौशिक और अभिषेक शर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने मस्ताड़ी-बाड़ागड़ीक्षेत्र के ग्रामीणों से वार्ता कर कराया धरना समाप्त

ग्रामीणों की मांगो पर दिया आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन

के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। शनिवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने गंगा मंदिर झूला पुल के समीप विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे ग्राम मस्ताड़ी एवं बाड़ागड़ी क्षेत्र के ग्रामीणों के बीच पहुंचे। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सीधे वार्ता कर उनकी समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों की ओर से सौंपे गए प्रत्यावेदन पर जिलाधिकारी ने संबंधित मांगों पर नियमानुसार एवं समयबद्ध कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद ग्रामीणों ने अपना धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

वार्ता के दौरान इंद्रावती नदी पर बाढ़ सुरक्षा कार्य, इंद्रावती मोक्ष घाट एवं स्नान घाट से संबंधित कार्यों की स्वीकृति के लिए आवश्यक प्रयास किए जाने पर सहमति बनी। इस कार्य में मस्ताड़ी के पूर्व प्रधान सत्यनारायण सिंह सेमवाल



प्रशासन को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। हरि महाराज स्नान घाट के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग को एस्टीमेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएंगे। ग्राम मस्ताड़ी के विस्थापन से जुड़े विषय पर ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित कर चर्चा की जाएगी।

इसके अतिरिक्त अठाली-चामकोट-दिलसौड़ मोटर मार्ग के डामरीकरण से जुड़े विषय पर भी ग्रामीणों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी मांगों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी के संबंधित विषयों पर आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय, उपजिलाधिकारी शालिनी नेगी, पुलिस उपाधीक्षक जगदीश पंत सहित अन्य अधिकारी और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कामरेड राजा बहुगुणा नैसर्गिक क्रांतिकारी थे : राजेन्द्र प्रथोली

राजा बहुगुणा के संस्मरणों पर आधारित पुस्तक- 'अनथक योद्धा '- का विमोचन

राजा बहुगुणा के पहले स्मृति दिवस पर आयोजन

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। भाकपा (माले) नेता कॉमरेड राजा बहुगुणा के पहले स्मृति दिवस के मौके पर हल्द्वानी के नगर निगम सभागार में कॉमरेड राजा बहुगुणा के योगदान को याद करते हुए उनके जीवन संघर्ष और राजनीतिक यात्रा पर चर्चा की गई.

राजा भाई के नाम से लोकप्रिय कामरेड राजा बहुगुणा के संस्मरणों पर आधारित पुस्तक- 'अनथक योद्धा '- का विमोचन भाकपा माले पोलित ब्यूरो सदस्य संजय शर्मा, किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव पुरुषोत्तम शर्मा, भाकपा माले राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी, जनकवि बल्ली सिंह चीमा, राजेन्द्र प्रथोली, बहादुर सिंह जंगी, आनंद नेगी, के के बोरा, विमला रौथाण, राजा बहुगुणा की पत्नी रेखा, भाई राजीव बहुगुणा, बेटी संयुक्ता, पुस्तक के सम्पादक गिरिजा पाठक और डॉ



कैलाश पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया. लंबे दौर तक उनके साथी रहे राजेन्द्र प्रथोली ने कहा कि, राजा भाई का पचास साल का क्रांतिकारी जीवन रहा और वे नैसर्गिक क्रांतिकारी थे, उनके विचार और संघर्ष में कोई भी नकलीपन कोई बनावट नहीं थी. पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा, वे प्रतिबद्ध क्रांतिकारी थे और उन्होंने कई प्रतिबद्ध क्रान्तिकारियों को तैयार करने का काम किया. जनकवि बल्ली सिंह चीमा ने कहा कि, राजा भाई के साथ लंबा साथ रहा और वे मेरे कई गीतों की रचना की भी प्रेरणा बने, खास तौर पर- दाम बांधो काम दो वरना गद्दी छोड़ दो; लफ्फाजो पाखंड नहीं अब जंग चाहिए, संघर्ष करो के अब उत्तराखंड चाहिए; उनकी प्रेरणा से बने गीत हैं. इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि, वन आंदोलन, नशा नहीं रोजगार दो आंदोलन, राज्य आंदोलन, बिंदुखत्ता आंदोलन, महतोष मोड़ आंदोलन समेत अन्य आंदोलनों में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा जिसने कई लोगों को प्रेरित करने का काम किया. आज मोदी सरकार की फासीवादी तानाशाही के खिलाफ आंदोलन खड़ा करना उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का सबसे मुफीद कदम है. इस अवसर पर भाकपा माले पोलित ब्यूरो सदस्य संजय शर्मा, किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव पुरुषोत्तम शर्मा, भाकपा माले राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी, जनकवि बल्ली सिंह चीमा, राजेन्द्र प्रथोली, बहादुर सिंह जंगी, आनंद नेगी, के के बोरा, विमला रौथाण, रेखा, राजीव बहुगुणा, संयुक्ता और पुस्तक के सम्पादक गिरिजा पाठक, डॉ कैलाश पाण्डेय, एडवोकेट कैलाश जोशी, एडवोकेट दुर्गा सिंह मेहता, एडवोकेट अमनदीप कौर, यतीश पंत, प्रकाश फ़ूलोरिया, आशुतोष उपाध्याय, जगमोहन रौतेला, भुवन पाठक, दिनेश तिवारी, जोगेंद्र लाल, मोहन सिंह, प्रभात पाल, अजय जोशी, नफीस अहमद खान, भुवन जोशी, ललित मटियाली, कमला कुंजवाल, सुधा, गणेश राम टम्टा, वेद प्रकाश, प्रेम सिंह नयाल, दीवान बर्गली, शोभना, अनीता अन्ना, मीना भट्ट, हेमा आर्य, विमला देवी, शादाब आलम, एकता बहुगुणा, अंबा दत्त बसखेती, ललित जोशी, कमल जोशी, किशन बघरी, राजीव टंडन, सुनीता, पुष्कर सिंह, आकाश भारती, दीक्षा, धीरज, गोविंद जीना, सखावत खान, तरुण जोशी, रूबी भारद्वाज, गोपाल, त्रिलोक सिंह, जगदीश बोरा, उत्तम दास, महेन्द्र पांडे, महेंद्र, निर्मला शाही, मंजू कश्यप, अजय कुमार, के हरि सिंह, प्रोनोबैस, टुम्पा, गुरविंदर, विजय शर्मा आदि शामिल रहे.

बिंदुखत्ता के लिए सरल रास्ता छोड़ कठिन प्रक्रिया क्यों? 3,470 हेक्टेयर भूमि और दोगुनी जमीन की व्यवस्था कैसे करेगी सरकार?

80 हजार से अधिक आबादी, 32 ग्राम सभाएं और 31 हजार मतदाता ; वन अधिकार अधिनियम की फाइल शासन में लंबित, अब केंद्र की ओर

बसंत पांडे/के.के.पी संवाददाता

लालकुआं(नैनीताल)। बिंदुखत्ता को राजस्व गांव का दर्जा दिलाने की मांग दशकों पुरानी है। लगभग 80 हजार से अधिक आबादी, 32 ग्राम सभाओं, 31 हजार से अधिक मतदाताओं और 3,470 हेक्टेयर भूमि वाले इस क्षेत्र की समस्या का समाधान आज तक नहीं हो पाया है।

वर्तमान सरकार की कैबिनेट बैठक में बिंदुखत्ता को राजस्व गांव बनाने के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को प्रस्ताव भेजने पर सैद्धांतिक सहमति दी गई है। यह निर्णय स्वागत योग्य है, लेकिन एक बड़ा सवाल खड़ा करता है–जब वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत पहले से प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है और तीनों स्तरीय समितियों की सहमति

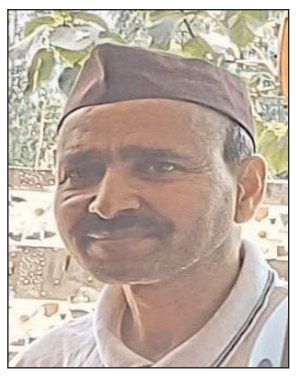

के बाद पत्रावली राज्य सरकार को भेजी जा चुकी है, तो उस पर निर्णय क्यों नहीं लिया जा रहा?

जब एक रास्ता पहले से मौजूद है तो दूसरे जटिल रास्ते की जरूरत क्यों? और यदि केंद्र की प्रक्रिया अपनाई जा रही है तो 3,470 हेक्टेयर भूमि के मामले में दोगुनी भूमि और क्षतिपूरक वनीकरण की व्यवस्था कैसे होगी?

बिंदुखत्ता आज एक बड़ी और व्यवस्थित आबादी वाला क्षेत्र है। यहां लगभग 42 मतदान केंद्र, एक आईटीआई, 4,000 से अधिक इंडिया मार्का हैंडपंप और करीब 98 प्रतिशत विद्युतीकरण है। शिक्षा के क्षेत्र में 25 प्राथमिक विद्यालय, 5 जूनियर हाईस्कूल, 2 इंटर कॉलेज, 2 निजी प्राथमिक विद्यालय, 17 निजी जूनियर हाईस्कूल, 15 निजी हाईस्कूल एवं इंटर कॉलेज तथा बताए जाते हैं। इसके अलावा 25 दुग्ध समितियां, एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 28 सस्ता गल्ला दुकानें और 24 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं।

इतनी बड़ी आबादी और विकसित बुनियादी ढांचे के बावजूद राजस्व गांव का दर्जा नहीं मिलना अपने आप में गंभीर सवाल है।

जानकारी के अनुसार, वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत ग्राम स्तरीय, उपखंड स्तरीय और जिला स्तरीय समितियों ने सहमति के बाद पत्रावली राज्य सरकार को आगे की कार्रवाई के लिए भेजी है। इसके बावजूद फाइल शासन में लंबित है।

आखिर फाइल किस अधिकारी या विभाग के स्तर पर रुकी हुई है? क्या कोई कानूनी आपत्ति है? यदि है तो सरकार उसे सार्वजनिक क्यों नहीं करती?

3,470 हेक्टेयर भूमि के बाद दोगुनी जमीन कहां से आएगी?

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के माध्यम से प्रस्ताव आगे बढ़ाने पर वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के प्रावधानों और क्षतिपूरक वनीकरण का सवाल भी महत्वपूर्ण होगा।

परिवार के मुखिया की सटीक जानकारी से ही मिलेंगे जनगणना के सही आंकड़े: वृक्षमित्र डॉ. सोनी

स्व-जनगणना एवं जनगणना में जन-जन की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

छात्र-छात्राओं से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को जनगणना में सही जानकारी देने के लिए प्रेरित करने की अपील



के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं पारिवारिक स्थिति से जुड़े सटीक आंकड़े प्राप्त होते हैं। जनगणना के सही आंकड़ों के लिए प्रत्येक परिवार का सहयोग और सही जानकारी देना बेहद आवश्यक है। यह बात पर्यावरणविद् एवं वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने बहादराबाद के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टाटवाला में आयोजित जनगणना जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कही। स्व-जनगणना एवं आगामी जनगणना में जन-जन की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने की। इस दौरान प्रधानाचार्य मनोज कुमार एवं राजकीय शिक्षक संघ ब्लॉक बहादराबाद के अध्यक्ष वीरपाल सिंह उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. सोनी ने कहा कि देश की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमारी वास्तविक स्थिति तभी सरकारी आंकड़ों में दर्ज होगी, जब हम अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य की सही जानकारी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने परिवार के सदस्यों के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी जनगणना में सहयोग करने और सही जानकारी देने के लिए प्रेरित करने की अपील की। इस अवसर पर राज कुमार ने कहा कि गांव और मोहल्लों से जुड़े ऐसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में जन-जन तक जागरूकता पहुंचाने में छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वहीं बीपी सिंह ने कहा कि सभी का प्रयास होना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति जनगणना से छूटने न पाए और प्रत्येक परिवार इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है और इसमें सही जानकारी उपलब्ध कराना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वृक्षमित्र डॉ. सोनी की अध्यक्षता में विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

रुड़की में चोरी की मोटरसाइकिल के साथ वाहन चोर गिरफ्तार



के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। रुड़की कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 27 नवंबर 2026 को गणेशपुर, कोतवाली गंगनहर निवासी विनय कुमार पुत्र संजय कुमार ने रुड़की कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि 26 नवंबर को अज्ञात व्यक्ति उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। एसएसपी हरिद्वार के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक रुड़की ने चोरी की घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की। टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर 27 नवंबर को कलियर नहर पटरी, रुड़की से आरोपी को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुजम्मिल पुत्र मुशर्रफ निवासी ग्राम कुमराड़ी, कोतवाली मंगलौर, जनपद हरिद्वार, हाल निवासी ग्राम महमूदपुर, थाना कलियर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है।

हरिद्वार में PCS प्रारंभिक परीक्षा कल, 21 केंद्रों पर दो पालियों में होगा आयोजन

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में धारा 163 लागू, पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित उत्तराखंड सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 रविवार, 29 नवंबर को हरिद्वार नगर क्षेत्र के 21 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं।

नगर मजिस्ट्रेट हरिद्वार हर गिरी ने बताया कि परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगी।

ये बनाए गए हैं परीक्षा केंद्र

हरिद्वार नगर क्षेत्र में ज्वालापुर इंटर कॉलेज, पन्नालाल भल्ला म्युनिसिपल इंटर कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, म्युनिसिपल इंटर कॉलेज नील खुदाना, शिक्षा मंदिर तरुण हिमालय इंटर कॉलेज, श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, डॉ. हरिराम इंटर कॉलेज मायापुर, पीएमसी जीजीआईसी ज्वालापुर, सेंट मैरी एसआर सेकेंडरी स्कूल, दीक्षा राइजिंग स्टार पब्लिक स्कूल, होली गंगेज पब्लिक स्कूल, डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, अचीवर होम पब्लिक स्कूल, गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, धूम सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल, स्वामी हरिहरानंद पब्लिक स्कूल, शिवडेल स्कूल, पार्थ सारथी हायर सेकेंडरी स्कूल, डिवाइन लाइट स्कूल, महर्षि विद्या मंदिर तथा गुरुकुल कांगड़ी डीम्ड यूनिवर्सिटी सिंहद्वार कनखल में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में धारा 163 लागू

नगर मजिस्ट्रेट ने परीक्षा केंद्रों के आसपास कानून व्यवस्था बनाए रखने और परीक्षा को बाधारहित ढंग से संपन्न कराने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह प्रतिबंध सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में प्रभावी रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट अथवा अपर जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति के बिना पांच या पांच से अधिक व्यक्ति समूह के रूप में एकत्र नहीं हो सकेंगे।

हरिद्वार में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के साथ कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने किया 'नव्या 2.0' कार्यक्रम का शुभारंभ

बेटियों को सुरक्षित वातावरण, समान अवसर और प्रोत्साहन देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी- रेखा आर्या

बच्चे देखे बड़े सपने और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का करे सामना- रेखा आर्या





के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। आज उत्तराखंड सरकार में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने हरिद्वार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के साथ 'नव्या 2.0' कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बच्चों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, शिक्षा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास पर जोर दिया।

उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे जीवन में बड़े सपने देखें और उन्हें साकार करने के लिए पूरी लगन एवं मेहनत के साथ प्रयास करें। जीवन में आने वाली चुनौतियों से घबराने के बजाय पूरे आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करें। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि आज हमारी बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं।जरुरत इस बात की है कि उन्हें समान अवसर, सुरक्षित वातावरण और आगे बढ़ने के लिए उचित प्रोत्साहन मिले। बेटियों को सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण तथा महिलाओं के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई।कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में केंद्र एवं राज्य सरकार महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं।

हमारा संकल्प है कि देश की प्रत्येक बेटी और महिला सुरक्षित, सशक्त, आत्मनिर्भर एवं आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़े। 'नव्या 2.0' जैसी पहल इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, सचिव कौशल विकास भारत सरकार देवाश्री मुखर्जी, सचिव महिला एवं बाल विकास भारत सरकार अनिल मलिक, सचिव चंद्रेश कुमार यादव सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बच्चे उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन दिवस पर हरिद्वार में 11 स्थानों पर एक साथ हुई मॉक एक्सरसाइज, 155 घायलों का सफल रेस्क्यू







बाढ़, भगदड़, अग्निकांड, भूकंप और सड़क दुर्घटना जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में परखी गई राहत एवं बचाव की तैयारियां

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में पुलिस, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य, राजस्व सहित विभिन्न विभागों ने किया संयुक्त अभ्यास

सभी मॉकड्रिल स्थलों पर 11 ऑब्जर्वर किए गए तैनात

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। आपदा प्रबंधन दिवस के अवसर पर जनपद में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों की क्षमता का परीक्षण करने के उद्देश्य से शनिवार को राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई। उत्तराखंड शासन के निर्देशों एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद के 11 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ मॉक अभ्यास किया गया। इस दौरान भूकंप, बाढ़, भगदड़, अग्निकांड एवं सड़क दुर्घटना जैसी आपदाओं की काल्पनिक परिस्थितियां तैयार कर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। मॉक एक्सरसाइज के दौरान विभिन्न घटनास्थलों पर घायल दर्शाए गए कुल 155 लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र हरिद्वार को प्रातः 9:35 बजे सूचना प्राप्त हुई कि जनपद के कई क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। सूचना मिलते ही राजकीय इंटर कॉलेज बीएचईएल हरिद्वार में भूकंप के कारण विद्यालय की छत गिरने तथा कुछ बच्चों के मलबे में दबे होने की सूचना दी गई। इसके तत्काल बाद जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम (आईआरएस) सक्रिय किया गया। स्टेजिंग एरिया तैयार करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आपदा प्रबंधन की टीमों को घटनास्थलों के लिए रवाना किया गया। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के माध्यम से संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर राहत एवं बचाव कार्यों का संचालन किया गया। मॉक एक्सरसाइज के अंतर्गत तहसील रुड़की के अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज रुड़की एवं नेहरू राष्ट्रीय इंटर कॉलेज मंगलौर तथा तहसील भगवानपुर के आरएनआई इंटर कॉलेज में भी भूकंप से विद्यालय भवन क्षतिग्रस्त होने और बच्चों के मलबे में फंसे होने की काल्पनिक परिस्थितियां तैयार की गईं।

बीएचईएल हरिद्वार ने बांग्लादेश में जीता गोल्ड अवार्ड



के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार, 28 नवम्बरः बीएचईएल हरिद्वार ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आयोजित 51वें इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कंट्रोल सर्कल्स में 'गोल्ड अवार्ड' प्राप्त किया है । इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 14 से अधिक देशों की टीमों ने भाग लिया । बीएचईएल हरिद्वार इकाई का प्रतिनिधित्व करते हुए विद्युत मशीन्स, ब्लॉक-1, के गुणत्ता चक्र - 771 (तरुण) ने ऑनलाइन माध्यम द्वारा सम्मेलन में भाग लिया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह सफलता प्राप्त की ।

बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक श्री रंजन कुमार ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टीम के सदस्यों को बधाई दी । उन्होंने कहा कि हमारे समर्पित कर्मचारियों ने हमेशा ही अपने उत्कृष्ट कार्यों से संस्थान का गौरव बढ़ाया है । उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार अपने कार्य क्षेत्र में नई सोच, काम को सरल बनाने, गुणवत्ता बढ़ाने व नए टूल्स एवं तकनीकों का विकास करने के लिए दिया जाता है । गुणता चक्र की ओर से श्री प्रभात कुमार (फैसिलिटेटर), श्री योगेश कुमार (टीम लीडर) तथा सदस्य श्री बिरेन्द्र सिंह, श्री गौरव ओझा, श्री सोम दत्त व श्री रेशु चौहान ने केस स्टडी का प्रस्तुतीकरण किया।

टीम ने 660 से 800 मेगावाट तक की कोर प्रेस रिंग की मशीनिंग की गुणवत्ता बढ़ाने और समय सीमा को कम करने पर केंद्रित एक नये टूलिंग फिक्सचर को डिजाइन और कार्यान्वित करने से संबंधित सुधार परियोजना प्रस्तुत की । इस परियोजना से न केवल वित्तीय बचत होगी, बल्कि उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार और समय पर डिलीवरी भी सुनिश्चित होगी।

इस सफलता में महाप्रबंधक श्री नरेंद्र सिंह राणा एवं श्री अमित कुमार शर्मा तथा गुणता एवं व्यापारिक उत्कृष्टता विभाग के प्रतिनिधियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने टीम को बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया ।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए प्रदान की 17.38 करोड की वित्तीय स्वीकृति

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों एवं विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इनमें मेला स्थल एवं मंदिरों का सौंदर्यीकरण, हेलीपैड निर्माण, सड़क एवं पुलों का सुधारीकरण, सीसी एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण, सिंचाई गूल तथा सुरक्षात्मक कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री द्वारा चम्पावत विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत कठाड़ कमेला के मुख्य मार्गों पर सीसी टाइल्स एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण हेतु 55.16 लाख, जनपद देहरादून के मसूरी विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत वार्ड संख्या-9 आर्यनगर की आंतरिक सड़कों एवं नालियों के निर्माण तथा विभिन्न स्थानों पर सुरक्षात्मक कार्यों हेतु 56.76 लाख तथा जनपद ऊधमसिंह नगर के गदरपुर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत गणेशपुर से लंकुरा बाजावाला होते हुए रमपुरकाजी तक मार्ग का बीएम/एसडीबीसी द्वारा सुदृढ़ीकरण किए जाने हेतु 242.38 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद हरिद्वार के पिरान कलियर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत सीसी मार्ग एवं इंटरलॉकिंग रोड निर्माण हेतु कुल 249.32 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 161.20 लाख, जनपद देहरादून के डोईवाला विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत वन विभाग के थानों रेंज के अंतर्गत जॉलीग्रांट सैंज चौकी से जुड्डी गांव होते हुए कालूवाला को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण हेतु 98.75 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 59.25 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के डीडीहाट विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत रसैपाटा में पौराणिक भगवती मंदिर के सौंदर्यीकरण किये जाने हेतु 59.57 लाख, जनपद रुद्रप्रयाग के केदारनाथ विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत सिल्ला बामण गांव स्थित साणेश्वर मंदिर, सिद्धपीठ आशुतोष महादेव, तुंगेश्वर महादेव मंदिर फलासी एवं महड़ महादेव मंदिर महड़गांव के सौंदर्यीकरण हेतु 49.94 लाख, चम्पावत विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत ढकना बडोला में श्री ऐड़ी ब्यानधुरा भूमिया मेला स्थल के सौंदर्यीकरण हेतु 109.88 लाख, जनपद चमोली के कर्णप्रयाग विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत उत्तराखंड के एकमात्र दानवीर कर्ण के मंदिर के सौंदर्यीकरण हेतु 99.71 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 59.82 लाख तथा टिहरी विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत नई टिहरी के बौराड़ी स्थित नवदुर्गा मंदिर की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण किए जाने हेतु 100 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 60 लाख की धनराशि स्वीकृत किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद उत्तरकाशी के पुरोला विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत विकासखंड मोरी के ग्राम फिताड़ी में हेलीपैड निर्माण हेतु 107.98 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

गंगा संरक्षण को लेकर डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने की जिला गंगा समिति की 78वीं बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

डेयरी संचालकों द्वारा नालों में गोबर डालने पर होगी चालानी कार्रवाई

गंगा में गंदा पानी गिरने से रोकने, घाटों से अतिक्रमण हटाने और प्लास्टिक फैलाने वालों पर कार्रवाई के निर्देश



के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। गंगा नदी की स्वच्छता, निर्मलता एवं संरक्षण को लेकर डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध की अध्यक्षता में उपवन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, जिला गंगा समिति हरिद्वार के तत्वावधान में जिला गंगा समिति की 78वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में गंगा को प्रदूषणमुक्त बनाए रखने तथा गंगा घाटों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में नगर निगम हरिद्वार को निर्देशित किया गया कि शहर के समस्त डेयरी संचालकों को नालों में गोबर न डालने के लिए जागरूक किया जाए। निर्देशों का अनुपालन नहीं करने वाले डेयरी संचालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाए। साथ ही गंदगी एवं प्लास्टिक फैलाने वालों के खिलाफ अधिक से अधिक चालानी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जल संस्थान हरिद्वार को निर्देशित किया गया कि किसी भी प्रकार का गंदा पानी अथवा नाले का पानी गंगा नदी में न गिरने पाए। इसके लिए नियमित निगरानी की जाए तथा ऐसी स्थिति सामने आने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए।

गंगा किनारे स्थित घाटों पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में भी चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अतिक्रमण हटाने के लिए गठित टीमों के माध्यम से अभियान को और गति देते हुए घाटों को अतिक्रमणमुक्त बनाया जाए। डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने सभी संबंधित विभागों एवं समिति के सदस्यों से गंगा संरक्षण के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपेक्षा की। उन्होंने गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता बनाए रखने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने पर जोर दिया। बैठक में मीनाक्षी मित्तल, राजेश चौहान, राजेंद्र सिंह, सत्यदेव आर्य, एमएन जोशी, कुलदीप सिंह, प्रशांत पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

लक्सर में अवैध कच्ची शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, पांच लीटर शराब बरामद

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लक्सर कोतवाली पुलिस ने रायसी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पांच लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है।



एसएसपी हरिद्वार के निर्देश पर जनपद में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नारकोटिक्स कंट्रोल के लिए विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 को सफल बनाने के उद्देश्य से अवैध नशीले पदार्थों और शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लक्सर ने थाना स्तर पर पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर क्षेत्र में सक्रिय किया।

गठित टीमों ने थाना और चौकी क्षेत्र में निगरानी के दौरान रायसी क्षेत्र से एक व्यक्ति को पांच लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ पकड़ लिया। आरोपी की पहचान अजय कुमार पुत्र चांद कुमार निवासी महाराजपुर कला, कोतवाली लक्सर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक ब्रह्मदत्त बिजल्वाण, प्रभारी चौकी रायसी, हेड कांस्टेबल महेन्द्र सिंह चौहान और कांस्टेबल अनिल वर्मा शामिल रहे।

आपदा की चुनौतियों से निपटने की क्षमता परखने के लिए 9 स्थानों पर मॉक ड्रिल आयोजित

लैंडस्लाइड, भूकंप, क्लाउड ब्रस्ट, एवलांच, फॉरेस्ट फायर, बियर अटैक व सड़क दुर्घटना की काल्पनिक आपदा परिस्थितियों में जिला एवं तहसील स्तरीय आईआरएस सिस्टम सक्रिय, राहत एवं बचाव कार्यों का किया गया अभ्यास

के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। प्राकृतिक आपदाओं एवं आकस्मिक दुर्घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने, त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की क्षमता को परखने के उद्देश्य से शनिवार को जिला प्रशासन द्वारा वृहद मॉक अभ्यास आयोजित किया गया।जिलाधिकारी प्रशांत आर्य द्वारा आपदा कंट्रोल रूम से पूरे अभियान की निरंतर निगरानी की गई। इस दौरान सीडीओ राहुल आनंद, एडीएम मुक्ता मिश्र एवं





डीडीएमओ शार्दूल गुस्साई सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अभ्यास के अंतर्गत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग आपदा परिदृश्य तैयार कर राहत, बचाव, चिकित्सा सहायता, स्टेजिंग एरिया से संसाधनों की तैनाती तथा आपातकालीन संचार व्यवस्था की कार्यप्रणाली का परीक्षण किया गया।

अभ्यास के दौरान नगुण में लैंडस्लाइड होने पर जीआईसी चिन्यालीसौड़ को स्टेजिंग एरिया बनाया गया, जबकि विश्वनाथ मंदिर तथा गणेशपुर में भूकंप की स्थिति के लिए रामलीला मैदान को स्टेजिंग एरिया निर्धारित किया गया। इसी प्रकार जलेंद्री गाड़ (हर्षिल) तथा तपोवन में एवलांच के लिए हॉर्टिकल्चर मैदान हर्षिल को स्टेजिंग एरिया बनाया गया। इसके अतिरिक्त सुनारगांव (चिन्यालीसौड़) में बियर अटैक की घटना के लिए जीआईसी चिन्यालीसौड़, बड़कोट नौगांव रोड पर सड़क दुर्घटना के लिए रामलीला मैदान बड़कोट, मोटार गांव (मोरी) में क्लाउड ब्रस्ट की स्थिति के लिए जीआईसी मोरी तथा पुरोला मोरी रोड पर फॉरेस्ट फायर (वनाग्नि) की काल्पनिक परिस्थितियों के लिए खेल मैदान पुरोला को स्टेजिंग एरिया बनाते हुए राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया।

मॉक अभ्यास के अंतर्गत इन सभी काल्पनिक आपदा घटनाओं के दौरान घटनास्थल से प्रभावितों एवं घायलों को सुरक्षित निकालने तथा संबंधित स्टेजिंग एरिया से त्वरित चिकित्सा सहायता और रेस्क्यू टीमों को भेजने की कार्रवाई प्रदर्शित की गई। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों के बेहतर एवं त्वरित उपचार हेतु आवश्यकतानुसार एयर एंबुलेंस सेवा के उपयोग का आकलन भी किया गया।

एक नजर

ऑपरेशन प्रहार के तहत ज्वालापुर पुलिस की कार्रवाई, एक वारंटी गिरफ्तार



के.के.पी संवाददाता/हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के आदेशानुसार जनपद में वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ज्वालापुर पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय देहरादून द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार को सफल बनाने के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ज्वालापुर ने 27 नवंबर 2026 की रात्रि को विशेष पुलिस टीमों का गठन किया। अभियान के तहत पुलिस टीम ने माननीय न्यायालय हरिद्वार द्वारा जारी वारंटों की तामील करते हुए संबंधित पते पर दबिश दी और एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान शरणदीप सिंह पुत्र परगट सिंह, निवासी सुभाष नगर, कोतवाली ज्वालापुर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध वाद संख्या 943/2026 तथा धारा 144(3) बीएनएसएस के तहत वारंट जारी था। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक पुष्कर सिंह चौहान, कांस्टेबल नरेंद्र राणा और कांस्टेबल रवि चौहान शामिल रहे।

हत्या के प्रयास का आरोपी मंगलौर पुलिस की गिरफ्त में, वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद

के.के.पी संवाददाता/हरिद्वार। मंगलौर कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया है। मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।



पुलिस के अनुसार, 26 नवंबर 2026 को लंढौरा निवासी शाहनजर पुत्र शमशाद ने कोतवाली मंगलौर में तहरीर देकर बताया था कि उसके भाई शाहरुख पर शोएब पुत्र वसीम और उसके साथियों ने जान से मारने की नीयत से हमला कर चोट पहुंचाई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी शोएब पुत्र वसीम निवासी वार्ड नंबर 4, कस्बा लंढौरा, कोतवाली मंगलौर, हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मंसूर अली, उपनिरीक्षक सुधांशु कौशिक, हेड कांस्टेबल शूरवीर और कांस्टेबल शूरबीर शामिल रहे।

हरिद्वार से नव्या 2.0 का शुभारंभ, 25 वर्ष तक की युवतियों को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और जयंत चौधरी ने किया शुभारंभ, 24 राज्यों के 100 जिलों में लागू होगी योजना

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। महिला सशक्तिकरण और युवा महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए हरिद्वार से नव्या 2.0 का शुभारंभ किया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने उत्तराखंड संस्कृत संस्थानम् में संयुक्त रूप से इस योजना का शुभारंभ किया।

नव्या 2.0 के माध्यम से देशभर में किशोरियों और युवा महिलाओं के लिए व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के अवसरों का विस्तार किया जाएगा। इस पहल के तहत 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 100 जिलों को शामिल किया जाएगा। इसमें आकांक्षी और दुर्गम क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

16 से 25 वर्ष की युवतियों को मिलेगा प्रशिक्षण

योजना के दूसरे चरण में पात्रता आयु



सीमा को बढ़ाकर 16 से 25 वर्ष कर दिया गया है। पहले यह सीमा 16 से 18 वर्ष थी। अब युवतियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप उभरते हुए और गैर-पारंपरिक रोजगार क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रशिक्षित युवतियों को रोजगार, अप्रेंटिसशिप और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा।

कार्यक्रम के जिला स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित की जाएगी। स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के माध्यम से अभ्यर्थियों को नामांकन से लेकर प्रमाणन तक सहयोग दिया जाएगा। प्रशिक्षण की प्रगति पर भी डिजिटल माध्यम से निगरानी रखी जाएगी।

महिलाएं विकास की लाभार्थी ही नहीं, नेतृत्वकर्ता भी बनें : अन्नपूर्णा देवी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि महिलाओं की पूर्ण भागीदारी के बिना विकसित भारत 2047 का संकल्प अधूरा रहेगा। महिलाएं केवल विकास की लाभार्थी ही नहीं, बल्कि विकास की नेतृत्वकर्ता भी बननी चाहिए।

उन्होंने मां गंगा की अविरल धारा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी निरंतर प्रवाहमान प्रकृति हमें लगातार आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बालिकाओं की जीवन यात्रा के प्रत्येक चरण में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है और नव्या 2.0 इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा।

उन्होंने कहा कि जनभागीदारी और जागरूकता का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामांकन कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक बालिका और उसके परिवार के साथ नामांकन से लेकर आजीविका तक निरंतर जुड़ाव बनाए रखना है। राज्य नोडल अधिकारी योजना के क्रियान्वयन का नेतृत्व करेंगे और एसआईडीएच पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक अभ्यर्थी की प्रगति पर नजर रखी जाएगी।

प्रशिक्षण के बाद रोजगार और उद्यमिता पर जोर

केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने अपने वर्चुअल संदेश में कहा कि किसी भी कौशल विकास कार्यक्रम की सफलता का आकलन प्रशिक्षण के बाद मिलने वाले अवसरों से किया जाता है। नव्या 2.0 के माध्यम से अधिक से अधिक युवा महिलाओं, विशेषकर वंचित और पिछड़े जिलों की युवतियों को नए करियर विकल्प तलाशने, अप्रेंटिसशिप के जरिए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और अपने उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि देश के कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना और उन्हें नेतृत्व की भूमिका में सक्षम बनाना विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

जागरूक लोगों ने दुकान में चोरी की कोशिश नाकाम की, एक आरोपी गिरफ्तार

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र के ग्राम जियापोता में हार्डवेयर की दुकान की छत तोड़कर चोरी करने की कोशिश को स्थानीय लोगों की सतर्कता ने नाकाम कर दिया। दुकान की छत पर सब्बल और आरी लेकर पहुंचे दो संदिग्धों में से एक को लोगों ने पकड़ लिया, जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर चोरी के प्रयास में इस्तेमाल किए गए औजार और दो सीढ़ियां बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, 28 नवंबर 2026 को मिस्सरपुर निवासी विराज सैनी ने कोतवाली कनखल में तहरीर देकर बताया कि ग्राम जियापोता में उसकी हार्डवेयर की दुकान है। सुबह पड़ोसियों ने उसे सूचना दी कि दो लोग सब्बल और आरी लेकर दुकान की छत पर खड़े हैं और दुकान में घुसकर चोरी करने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही



विराज अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और संदिग्धों को पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों ने भागने के लिए छत से छलांग लगा दी। इनमें से एक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जबकि दूसरा घायल हो गया। सूचना पर जगजीतपुर पुलिस चौकी से पहुंची टीम ने पकड़े गए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मौके से एक दोमुंही सब्बल, सरिया काटने की आरी और दो सीढ़ियां कब्जे में ली गईं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कोतवाली कनखल में मुकदमा संख्या 459/26, धारा 331(4) और 62 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान धर्मवीर पुत्र स्वर्गीय जयपाल निवासी टोडा कल्याणपुर, कोतवाली रुड़की, हरिद्वार के रूप में हुई है। आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।

साइबर ठगी के पीड़ित को मिली बड़ी राहत, हरिद्वार पुलिस ने वापस कराई 47,700 की शत-प्रतिशत धनराशि

WhatsApp पर APK फाइल डाउनलोड करना पड़ा भारी, साइबर ठगों ने किया मोबाइल हैक

पीड़ित की तत्परता और साइबर क्राइम सेल से समय पर संपर्क ने बचाई मेहनत की कमाई

1930 पर तत्काल शिकायत और साइबर पुलिस की प्रभावी कार्रवाई से ठगी की रकम पर लगवाया गया होल्ड

पीड़ित के खाते से निकाली गई 47,700 की पूरी धनराशि शत-प्रतिशत वापस कराई गई

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। दिनांक 04 जून 2026 को पीड़ित द्वारा WhatsApp पर प्राप्त APK फाइल डाउनलोड की गई, जिसके पश्चात उनका मोबाइल फोन हैक हो गया और खाते से 47,700 की धनराशि निकाल ली गई। पीड़ित द्वारा बिना समय गंवाए तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई गई तथा साइबर क्राइम सेल से भी संपर्क किया गया। पीड़ित की त्वरित कार्रवाई के फलस्वरूप संबंधित



खाते पर समय रहते होल्ड लग सका और हरिद्वार पुलिस के प्रयासों से ठगी गई 47,700 की शत-प्रतिशत धनराशि पीड़ित को वापस प्राप्त हो गई।

हरिद्वार पुलिस की आमजन से अपील है कि

1. अनजान नंबरों से प्राप्त APK फाइल डाउनलोड न करें।
2. WhatsApp या अन्य सोशल मीडिया पर आए संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें
3. किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ह्व्क्क बैंकिंग डिटेल या निजी जानकारी साझा न करें।
4. साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करें त थ ा https://cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

याद रखें साइबर ठगी होने पर आपकी तत्परता ही आपकी मेहनत की कमाई बचा सकती है। शिकायत करने में देरी न करें।

हर चुनौती के लिए तैयार रहना जरूरी: कौशिक

- मा. मंत्री ने एसईओसी से मॉक अभ्यास का किया निरीक्षण
- कमियों को तत्काल दूर करने के दिए निर्देश
- कहा-सिल्क्यारा रेस्क्यू अभियान साहस, धैर्य, समन्वय और संकल्प की ऐतिहासिक मिसाल
- 1200 से अधिक स्थानों पर हुई मॉक ड्रिल

के.के.पी संवाददाता

सिल्क्यारा टनल रेस्क्यू अभियान की वर्षगांठ के अवसर पर पहली बार आयोजित किए जा रहे आपदा प्रबंधन दिवस के तहत शनिवार को उत्तराखण्ड में राज्य स्तरीय मॉक अभ्यास आयोजित किया गया। राज्यव्यापी इस अभ्यास में राज्य स्तर के साथ ही सभी 13 जनपदों तथा तहसील स्तर पर गठित घटना प्रतिक्रिया प्रणाली की टीमों ने प्रतिभाग किया। मा. आपदा प्रबंधन एवं



पुनर्वास मंत्री श्री मदन कौशिक ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर मॉक अभ्यास का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मा. मंत्री श्री मदन कौशिक ने कहा कि सिल्क्यारा रेस्क्यू अभियान उत्तराखण्ड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए साहस, धैर्य, समन्वय और मानवीय संकल्प की ऐतिहासिक मिसाल है। इस अभियान ने यह संदेश दिया कि कठिन से कठिन आपदा की स्थिति में यदि सभी एजेंसियां एकजुट होकर स्पष्ट रणनीति और समन्वय के साथ कार्य करें तो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन दिवस केवल किसी घटना को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उससे मिली सीख को भविष्य की तैयारियों में शामिल करने का अवसर है। मॉक अभ्यास इसी उद्देश्य को धरातल पर परखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे यह पता चलता है कि



हमारी व्यवस्थाएं वास्तविक आपदा की स्थिति में कितनी तत्परता से काम कर सकती हैं। मा. मंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं और यहां विभिन्न प्रकार की आपदाओं की आशंका बनी रहती है। ऐसे में आपदा से पहले की तैयारी, समय पर सूचना, त्वरित प्रतिक्रिया और विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के आपदा प्रबंधन मॉडल की चर्चा आज पूरे देश में होती है। राज्य ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं विकसित की हैं और लगातार अपनी क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मॉक अभ्यास के दौरान सामने आई कमियों और चुनौतियों का गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तथा उन्हें समयबद्ध तरीके से दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में एआई आधारित अर्ली वार्निंग सिस्टम, डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम, ड्रोन सर्विलांस, जीआईएस मैपिंग, सैटेलाइट मॉनिटरिंग तथा डेटा आधारित जोखिम आकलन जैसी आधुनिक तकनीकों को आपदा प्रबंधन से जोड़ा जा रहा है, जिससे संभावित खतरों का समय रहते सटीक आकलन कर जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव सुनिश्चित करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीमों को सशक्त बनाया गया है तथा अर्ली वार्निंग सिस्टम को लगातार मजबूत किया जा रहा है, ताकि दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों तक समय पर चेतावनी पहुंचाई जा सके।

आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष श्री विनय रुहेला, लेफ्टिनेंट कर्नल (से.नि) रघुवीर सिंह भण्डारी, सचिव श्री विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव श्री प्रकाश चंद्र, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी डीआईजी श्री राजकुमार नेगी, कमाण्डेंट एसडीआरएफ श्री अजय गणपति, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दिनेश कुमार पुनेठा आदि उपस्थित रहे।

एसईओसी ड्यूटी प्रभारी के दायित्वों पर आधारित एसओपी का विमोचन

मा. मंत्री श्री मदन कौशिक ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के ड्यूटी ऑफिसर के दायित्वों पर आधारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा कि एसईओसी आपदा प्रबंधन व्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है और यहां कार्यरत अधिकारियों एवं कार्मिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एसओपी के माध्यम से उनके दायित्वों, कार्यप्रणाली और आपात स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई को और अधिक स्पष्ट एवं व्यवस्थित किया गया है।

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
प्रमोद कुमार ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक
प्रमोद कुमार
मो.7830201066

सह-सम्पादक
दया जोशी
मो.9412135616